राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार 05 अगस्त-2021 वर्ष-4, अंक - 193 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

OBC वर्ग को बड़ा तोहफा दे सकती है मोदी सरकार, राज्यों में आरक्षण के बिल पर लगेगी मुहर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ओबीसी की सूची पर राज्यों की शक्ति बहाल करने को लेकर कानून बनाने पर विचार कर रही है। इसके लिए संसद के मौजूदा सत्र में ही 127वां संविधान संशोधन विधेयक लाया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी साल 5 मई को मराठा आरक्षण को लेकर दिए एक फैसले में राज्यों सरकारों से ओबीसी की पहचान करने और उन्हें अधिसूचित करने का अधिकार वापस ले लिया था। ईटी की खबर के मुताबिक, एक बार संसद संविधान के अनुच्छेद 342-ए और 366(26) सी के संशोधन पर मुहर लगा देगी तो इसके बाद राज्यों के पास फिर से ओबीसी सूची में जातियों को अधिसूचित करने का अधिकार होगा। बीते महीने सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की उस रिव्यू याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें सरकार ने कोर्ट के 5 मई के आरक्षण मामले में दिए फैसले पर दोबारा विचार करने को कहा था। दरअसल, बीते महीने सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 324 की व्याख्या के आधार पर मराठा समुदाय के लिए कोटा को खत्म करने के अपने 5 मई के आदेश के खिलाफ केंद्र की समीक्षा याचिका को खारिज कर दिया। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने के लिए 2018 में संविधान में 102वें संशोधन के माध्यम से अनुच्छेद 324 लाया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने तीन-दो के बहुमत से 102वें संशोधन को सही ठहराया था। बहुमत से 102वें संविधान संशोधन को वैध करार दिया मगर कोर्ट ने कहा कि राज्य सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग (एसईबीसी) की लिस्ट तय नहीं कर सकती।

सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या मामला

पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे राहुल गांधी, गाड़ी में बिठा कर की परिजनों से बात

नई दिल्ली। दिल्ली कैंट के नांगल गांव में सामूहिक दुष्कर्म के बाद नौ साल की बच्ची की हत्या कर शव का अंतिम संस्कार करने का मामला तूल पकड़ लिया है। मंगलवार को जहां पीड़ित बच्ची के परिजनों से मिलने के लिए कई पार्टी के नेता वहां पहुंचे, वहीं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी बुधवार सुबह ही पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने परिवार के लोगों को अपनी ही गाड़ी में बिठाकर बात की। यह मुलाकात दस मिनट से भी ज्यादा समय की रही।

परिवार से मिलने के बाद राहुल गांधी ने कहा, मैंने परिवार से बात की और उन्हें सिर्फ न्याय चाहिए और कुछ नहीं। वह कह रहे हैं कि उन्हें न्याय नहीं मिल रहा है, उनकी मदद की जानी चाहिए। हम वह करेंगे। मैंने उन्हें बताया है कि मैं उनके साथ खड़ा हूं। राहुल गांधी तब तक उनके साथ खड़ा है जब तक कि उन्हें न्याय नहीं मिल जाता।

राहुल ने इस मामले में ट्वीट कर भी घटना की निंदा की थी। उन्होंने लिखा था कि, %दलित की बेटी भी देश की बेटी है%। वहीं खबर है कि आज दिन में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी पीड़ित परिवार से मिलने जाएंगे।

मंगलवार को क्या-क्या हुआ

मंगलवार को भीम आर्मी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौधरी पीड़ित परिवार से मिलने वालों में प्रमुख रहे। लेकिन नेताओं को स्थानीय लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने इसे राजनीतिक मंच बनाने पर आपत्ति जताई।

चंद्रशेखर आजाद ने मुलाकात के दौरान परिजनों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि देश की राजधानी में बच्ची सुरक्षित नहीं है, तो देश के अन्य हिस्सों में क्या हाल होगा यह आसानी से समझा जा सकता है। दिल्ली में महिला सुरक्षा के नाम पर बसों में मार्शल लगाया जाते हैं, वहीं घर के बाहर बच्ची असुरक्षित है। आखिर यह कैसी दिल्ली है।

उन्होंने कहा कि दुष्कर्म के मामलों में यह एक नया चलन है कि दुष्कर्म के बाद सबूत मिटाने के इरादे से शव का अंतिम संस्कार कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए।

वहीं, अनिल चौधरी ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय मिले, इसके लिए जो भी बन पड़ेगा, वह किया जाएगा। दिल्ली में कानून व्यवस्था के बिगड़ते हालात पर उन्होंने कहा कि बच्ची के साथ हुआ यह जघन्य अपराध अपने आप में इस बात को दर्शाता है कि यहां कानून व्यवस्था को लेकर सरकारी एजेंसियां बेफिक्र हैं।

पार्टी का झंडा लहराने पर स्थानीय लोगों ने जताई आपत्ति

पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे नेताओं को स्थानीय लोगों ने साफ तौर पर कह दिया कि उन्हीं नेताओं को परिवार से मिलने की इजाजत होगी जो इस मामले में राजनीति नहीं करेंगे। मंच के पास पार्टी का झंडा लहराने पर स्थानीय लोगों ने आपत्ति जताई और कहा कि मंच के पास किसी भी पार्टी का झंडा लहराया नहीं जाएगा। लोगों ने कहा कि यह समाज की बेटी के साथ हुए जघन्य अपराध का मामला है, इसपर राजनीति करने की इजाजत किसी भी कीमत पर नहीं दी जाएगी।

दिल्ली महिला आयोग ने दिल्ली पुलिस को भेजा समन

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने दिल्ली कैंट में नौ साल की बच्ची की हत्या के मामले में दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। आयोग ने इस मामले में पुलिस की ओर से अब तक की गई जांच का रिपोर्ट पांच अगस्त तक आयोग में पेश करने के लिए कहा है। आयोग ने पुलिस में मामले में की गई प्रथम सूचना रिपोर्ट, परिवार की ओर से दी गई 164 के बयान की कॉपी, इस मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपियों की जानकारी और इस मामले में पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई का ब्यौरा मांगा है।

कोरोना वैक्सीन

कोविशील्ड के 12 करोड़ और कोवाक्सिन के 5.8 करोड़ टीके बनेंगे हर महीने

नई दिल्ली। देश में कोरोना रोधी टीकों के उत्पादन को बढ़ाने की कवायद तेज है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने बुधवार को राज्यसभा में बताया कि दिसंबर तक हर महीने कोविशील्ड की 12 करोड़ व कोवाक्सिन की 5.8 करोड़ खुराकें बनाई जाएंगी। टीके उत्पादन की क्षमता से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए मंडाविया ने कहा, अभी हर महीने कोविशील्ड की 11 करोड़ खुराकें बनती हैं। इसे आने वाले महीनों में बढ़ाकर 12 करोड़ किया जाएगा। वहीं अभी कोवाक्सिन की ढाई करोड़ खुराकें हर महीने तैयार होती हैं इसे बढ़ाकर 5.8 करोड़ किया जाएगा।

जल्द ही चार और टीके बाजार में होंगे उपलब्ध-मंडाविया ने उच्च सदन में बताया कि टीकाकरण में तेजी लाने के लिए अक्तूबर-नवंबर में देश में चार और टीके उपलब्ध होंगे। बायोलॉजिकल्स ई और नोवर्टिस का टीका जल्द ही बाजार में उपलब्ध होगा। वहीं जाइडस कैडिला को आने वाले दिनों में मंजूरी मिलेगी। स्पूतनिक का टीका भी भारतीय बाजार में मिलने लगेगा।

रेमडेसिविर का उत्पादन बढ़ा, विदेश भेजी जा रही दवा-मंडाविया ने राज्यसभा में बताया कि

कोरोना में इलाज में इस्तेमाल की जाने वाली एंटी वायरल दवा रेमडेसिविर का उत्पादन जून में 122.49 लाख प्रतिमाह बढ़ाया गया है। इस दवा को विदेश निर्यात किया जा रहा है। दूसरी लहर में इसकी किल्लत से मुसीबत हुई थी।

केंद्रीय विद्यालय में सांसदों के अलावा बाकी सब कोटा खत्म, शिक्षा मंत्री भी दिला पाएंगे सिर्फ 10 एडमिशन

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्यालयों में अब सांसदों के 10 कोटे के अलावा किसी नेता या मंत्री की सिफारिश पर बच्चों के एडमिशन नहीं हो पाएंगे। केंद्र सरकार ने केंद्रीय विद्यालयों में शिक्षा मंत्रालय का कोटा खत्म करने का फैसला किया है। अब सिर्फ सांसदों के पास ही अपने क्षेत्र में 10 एडमिशन कराने का अधिकार बचा है। अब केंद्र सरकार ने केंद्रीय विद्यालयों में एडमिशन में सांसदों के अलावा बाकी सब कोटा खत्म करने का फैसला किया है। यानी, अब केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पास भी बतौर सांसद ही 10 कोटा बचेगा, उनके मंत्रालय को मिला भारी-भरकम कोटा छीन लिया गया है।

केंद्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
AN AUTONOMOUS BODY UNDER MHRD, GOVERNMENT OF INDIA

अब नहीं रहेगा यह कोटा

- **वैसे यह 450 की लिमिट कभी रही नहीं और हर सत्र में इससे कहीं ज्यादा एडमिशन मंत्रालय की सिफारिश पर केंद्रीय विद्यालयों में होते रहे। 2018-19 में 8 हजार से ज्यादा एडमिशन मंत्रालय की सिफारिश पर किए गए। इन सिफारिशों में ज्यादातर गरीब और जरूरतमंद बच्चे ही शामिल होते थे जिनका केंद्रीय विद्यालय में एडमिशन के लिए स्थानीय नेता या सांसद मंत्रालय में सिफारिश करते थे। अब यह कोटा नहीं रहेगा।**

एक सांसद 10 छात्रों के प्रवेश की ही कर सकेंगे सिफारिश-इस फैसले की जानकारी सांसदों को दी जा रही है ताकि वह 10 बच्चों के अलावा और किसी एडमिशन के लिए शिक्षा मंत्रालय में सिफारिश ना भेजें। लोकसभा के सांसद अपने लोकसभा क्षेत्र में आने वाले केंद्रीय विद्यालयों में अधिकतम 10 बच्चों के एडमिशन की सिफारिश कर सकते हैं। इसी तरह राज्यसभा सांसद अपने राज्य के किसी भी केंद्रीय विद्यालय में अधिकतम 10 बच्चों का एडमिशन करा सकते हैं। पहले सांसदों का यह कोट छह एडमिशन का ही होता था जिसे 2016-17 में बढ़ाकर 10 कर दिया गया। इस कोटे के अलावा केंद्रीय शिक्षा मंत्री 450 एडमिशन की सिफारिश कर सकते थे। ये सिफारिशें भी वही होती थी जो किसी नेता या सांसद के जरिए मंत्रालय तक आती थी।

बढ़ रहा है कोरोना: हम नहीं सुधरे तो महामारी की तीसरी लहर में हालात होंगे बेकाबू

नई दिल्ली। कोरोना महामारी की तीसरी लहर को लेकर हर तरफ संशय का माहौल है। देश की वरिष्ठ वैज्ञानिक और माइक्रो बायोलॉजिस्ट प्रो. गगनदीप कंग का कहना है कि अगर मौजूदा हालात नहीं बदले या हम नहीं सुधरे तो कोरोना महामारी की तीसरी लहर पहाड़ी की चोटी की तरह हो सकती है, जो दूसरी लहर में चोटी के एक कोने जैसी थी। प्रो. गगनदीप कंग ने स्पष्ट कहा कि तीसरी लहर में संक्रमण की स्थिति को लेकर कोई अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। कोई भी ये पता नहीं लगा सकता है कि आने वाले समय में वायरस कब म्यूटेट कर लेगा और कब घातक रूप धारण कर लेगा। केरल में संक्रमण के बढ़ते मामले को लेकर उन्होंने कहा कि केरल की आलोचना करना गलत है। सोशल मीडिया पर केरल को कोसा जा रहा है, हकीकत ये है कि टीकाकरण की कम दर और स्थानीय स्तर पर बरती जाने वाली लापरवाही के कारण वायरस फिर से पनप रहा है। उन्होंने कहा कि केरल में संक्रमण की दर बकरीद से पहले भी बढ़ रही थी। इससे सबक लेते हुए दूसरे राज्य सावधानी बरतें नहीं वायरस किसी को नहीं बख्शेगा।

हर राज्य पाबंदियों से थक चुके हैं

प्रो. कंग ने कहा कि केरल ही नहीं देश के दूसरे राज्य और केंद्र शासित प्रदेश पाबंदियां लगाकर थक चुके हैं। राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों पर लोगों का भी राज्य को खोलने का दबाव है लेकिन ये सही वक्त नहीं है।

वायरस के नए रूप से ही खतरा

आईआईटी हैदराबाद और कानपुर के विशेषज्ञों ने मैथमेटिकल मॉडल के आधार पर कहा है कि वायरस के नए रूप से ही खतरा है। आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिक प्रो. मणिंद्र अग्रवाल का कहना है कि राहत ये है कि अब तक किसी नए म्यूटेशन के कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं। नए मामलों की संख्या इसलिए भी कम हुई है क्योंकि बीते सोमवार को देश में कोरोना की संक्रमण दर में करीब एक फीसदी की कमी आई है।

कोविड-19 : अभी खत्म नहीं हुई है दूसरी लहर, आठ राज्यों में अभी भी 'आर-वैल्यू' ज्यादा, सरकार ने किया आगाह

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी देश में अभी खत्म नहीं हुई है। दूसरी लहर अब भी बरकरार है और अंदेशा तीसरी लहर का है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, वायरस के प्रसार में फिर से तेजी के संकेत मिल रहे हैं। कोरोना के प्रसार को दर्शाने वाले रिप्रोडक्टिव रेट आठ राज्यों में एक से अधिक हैं। यह दर कुछ समय पूर्व 0.6 पर पहुंच गई थी तथा पिछले महीने 0.8 हुई और अब बढ़कर 1.2 हो गई है। तीन राज्यों में यह और भी अधिक है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल एवं नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में आर नंबर सबसे ज्यादा 1.4 रिप्रोडक्टिव रेट है जबकि लक्षद्वीप में 1.3 है। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, हरियाणा, गोवा, झारखंड, नगालैंड में यह 1 तथा केरल में और पुडुचेरी में 1.1 है।

देश में दूसरी लहर अभी भी पूरी तरह से नहीं हुई है खत्म-लव अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक महामारी खत्म होने से अभी बहुत दूर है। जहां तक भारत की बात करें तो कोरोना की दूसरी लहर अब भी खत्म नहीं हुई है। दुनियाभर से कोविड-19 के दैनिक नए मामले अब भी बहुत ज्यादा हैं, जहां संक्रमण के हर दिन 47 हजार से अधिक मामले सामने आ रहे हैं। केंद्र सरकार ने कहा कि 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 44 जिलों में 2 अगस्त को समाप्त हो रहे हफ्ते में कोरोना वायरस की साप्ताहिक संक्रमण दर 10 प्रतिशत से अधिक है।

क्या होता है रिप्रोडक्टिव रिप्रोडक्टिव रेट?-यदि यह एक से नीचे होता है तो यह माना जाता है कि रोग नियंत्रण में है। एक से अधिक होने पर रोग के तेज प्रसार का संकेत मिलता है। रिप्रोडक्टिव रेट या आर वैल्यू यह बताता है कि कोई रोग कितना संक्रामक है यानी एक मामले से कितने और मामले फैल सकते हैं, इसकी संख्या दर्शाता है।

8 राज्यों के 18 जिलों ने बढ़ाई चिंता-स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि केरल, महाराष्ट्र, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश समेत छह राज्यों के 18 जिलों में पिछले चार हफ्तों में कोविड के नये दैनिक मामले बढ़ते दिख रहे हैं। यह चिंता का विषय है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि पिछले हफ्ते, कोरोना वायरस संक्रमण के कुल मामलों में से 49.85 प्रतिशत मामले केरल से सामने आए।

दूसरी लहर अभी भी नहीं हुई है खत्म-लव अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक महामारी खत्म होने से अभी बहुत दूर है। जहां तक भारत की बात है तो दूसरी लहर अब भी खत्म नहीं हुई है। दुनियाभर से कोविड-19 के दैनिक नये मामले अब भी बहुत ज्यादा हैं, जहां संक्रमण के हर दिन 47 लाख से अधिक मामले सामने आ रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट: फालतू याचिकाओं की बाढ़ से अदालत नाराज, कहा- हर मामले में अपील का चलन रोकना होगा

नई दिल्ली। हर मामले में फालतू याचिकाओं की बाढ़ पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई है। तुच्छ व फालतू याचिकाओं से परेशान सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि सामूहिक रूप से हम सभी न्यायिक प्रणाली का मजाक बना रहे हैं।

इस तरह की याचिका की वजह से हमें उन मामलों के निपटारे में दिक्कत हो रही है, जिनका निपटान जरूरी है और लोग लंबे से न्याय का इंतजार कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा हर मामले में अपील दायर करने की के चलन को हतोत्साहित करना होगा।

जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस ह्रषिकेश रॉय की पीठ ने कहा, एक आम इंसान को हमारी बारीकियों या बड़े कानूनी सिद्धांतों में कोई दिलचस्पी नहीं है, जिसके बारे में हम लगाता बात करते रहते हैं। एक वादी यह जानने में उत्सुक रहता है कि उसके मुकदमे में दम है या नहीं और यह जानने के लिए वह अनिश्चित काल तक इंतजार नहीं करना चाहता कि वह सही था या नहीं। अगर फैसला आने में 10 या 20 साल लग जाए, तो वह उस फैसले का क्या करेगा। जस्टिस कौल ने कहा, सुप्रीम कोर्ट में हमने पाया है कि दीवानी मुकदमा 45 वर्षों से लंबित थे। हम इस तरह के पुराने मामलों का भी निपटारा कर रहे हैं। व्यक्तिगत रूप से मैं पुराने मामलों को बाहर निकालने की कोशिश कर रहा हूं।

- **इस तरह की याचिका की वजह से हमें उन मामलों के निपटारे में दिक्कत हो रही है, जिनका निपटान जरूरी है और लोग लंबे से न्याय का इंतजार कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा हर मामले में अपील दायर करने की के चलन को हतोत्साहित करना होगा।**

पीठ ने यह भी कहा कि हमें हर मामले में अपील दायर करने की प्रथा को भी हतोत्साहित करना होगा। हम तथ्यों को लेकर तीसरे या चौथे स्तर की जांच नहीं कर सकते। पीठ ने कहा, अगर सुप्रीम कोर्ट के ऊपर कोई कोर्ट होता तो शायद हर मामले में हमारे आदेशों के खिलाफ भी अपील दायर की जाती। कहीं न कहीं तो हमें रुकना होगा।

अग्रिम जमानत अर्जियों की बमबारी तो कैसे निपटाएं पुराने मामले

जस्टिस कौल ने कहा, हम पर अग्रिम जमानत, जमानत, अंतरिम राहत आदि विविध याचिकाओं की 'बमबारी' होती रहती है। यही वजह है कि हमें पुराने मामलों को तय करने के लिए समय ही नहीं मिलता है।

पीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में एक दशक से अधिक पुरानी दीवानी और फौजदारी अपीलें लंबित हैं। हमें यह कहते हुए खेद है, लेकिन कानूनी बिरादरी भी केवल इन अंतरिम राहत के मामलों में रुचि रखती है। कोई भी अंतिम मामलों पर बहस नहीं करना चाहता।

दरअसल, पीठ के समक्ष मुआवजे से संबंधित कई मामले सूचीबद्ध थे। पीठ ने पाया कि इन मामलों में अंतरिम राहत के लिए एक के बाद एक आवेदन दाखिल किए जा रहे हैं। लिहाजा पीठ ने इसे लेकर सख्त नाराजगी जताई।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

वुहान में कोविड की वापसी

चीन के जिस वुहान शहर से कोविड-19 वायरस पूरी दुनिया में फैला, वहां अब डेल्टा वेरिएंट के मामलों का मिलना बताता है कि इस महामारी को लेकर किस स्तर की सावधानी बरतने और कितनी व्यापक चिकित्सा तैयारियों की जरूरत है। खबर है कि चीन के कई प्रदेशों में डेल्टा वेरिएंट मिले हैं, बल्कि हुनान प्रांत के एक शहर को तीन दिनों के लिए सख्त लॉकडाउन के हवाले करना पड़ा है। साल 2019 के मध्य में ही चीन में कोविड-19 का पहला मामला सामने आया था, लेकिन महीनों तक उसने इसकी परदापोशी की, बल्कि आज तक कर रहा है, और इंसानी दुनिया उसकी कीमत चुका रही है। बेशक, उसके पास संसाधनों की कमी नहीं है और वह वुहान के एक-एक व्यक्ति की जांच करने और जरूरतमंदों को चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने में सक्षम है, लेकिन दुनिया के अन्य देश ऐसी स्थिति में नहीं हैं। पिछले दो साल में कई देशों की माली हालत दयनीय हो चुकी है। ऐसे में, बार-बार कोरोना की लहरें आती रहीं, तो उनके लिए खड़ा हो पाना मुश्किल होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अलावा तमाम महामारी विज्ञानी आगाह करते आ रहे हैं कि इस महारोग पर पूर्ण नियंत्रण पाने में अभी कई वर्ष लगेंगे, इसलिए दुनिया को कुछ सावधानियों के साथ ही आगे बढ़ना होगा। विडंबना यह है कि विकसित मुल्कों के शिक्षित लोग भी नागरिक आजादी की आड़ में महामारी की गंभीरता की अनदेखी कर रहे हैं। दुनिया के कई सारे मुल्कों को अब तक वैक्सीन की एक खुराक भी नहीं मिल सकी है, वहीं अमेरिका में करोड़ों लोगों ने अपने नागरिक अधिकारों का इस्तेमाल कर इससे दूरी बना रखी है। अब जब वहां फिर से संक्रमण में तेज वृद्धि दिख रही है, तब पाया गया है कि अस्पतालों में दाखिल होने वाले 97 फीसदी से भी अधिक इसी तबके के लोग हैं, जिन्होंने वैक्सीन नहीं लगवाई। चीन और अमेरिका दुनिया में सबसे अधिक पूर्ण टीकाकरण करने वाले देशों में हैं, तब वहां महामारी पर काबू पाने में इतनी दुश्वारियां पेश आ रही हैं। ऐसे में, भारत जैसे देश को खास सतर्कता बरतनी होगी, क्योंकि विशाल आबादी, सघन जनसंख्या और अपर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं पहले से इसकी बड़ी चुनौतियां हैं। अभी भी यहां बमुश्किल आठ फीसदी लोगों का पूर्ण टीकाकरण हो सका है। ऐसे में, अब जब स्कूल-कॉलेज खुल रहे हैं और तमाम कारोबारी संस्थान अपना काम करना शुरू कर चुके हैं, तब विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। और यह काम कार्यपालिका का है। मगर हम नहीं भूल सकते कि इसके लिए भी कई बार न्यायपालिका को हस्तेक्षप करना पड़ा है। निस्संदेह, हमारा तंत्र चीन की तरह काम नहीं कर सकता, लेकिन अगले कई महीनों तक हमें सख्त निगरानी करनी पड़ेगी, क्योंकि तीसरी लहर की आशंकाएं चीन और अमेरिका के ताजा उदाहरणों से गाढ़ी हुई हैं। वह भी तब, जब हम दूसरी लहर से ही अभी उबर नहीं पाए हैं। आठ राज्यों में पॉजिटिव मामलों की दर 10 फीसदी से ज्यादा है। इसलिए बेफिक्री और संकीर्ण सियासत के बजाय यह समय महामारी को लेकर संवेदनशील नजरिया अपनाने का है। हमें तेजी से अधिकाधिक लोगों का टीकाकरण करना होगा। डब्ल्यूएचओ चेता चुका है कि जब तक दुनिया के किसी खित्ते में कोविड वायरस सक्रिय हैं, कोई देश या सरकार निश्चिंत नहीं हो सकती। वुहान के नए मामले इसकी तस्दीक करते हैं।

'आज के ट्वीट

पालना

अभी हमें सख्ती से कोविड प्रोटोकॉल की पालना कर तीसरी लहर को आने से रोकना है। बिल्कुल लापरवाही ना करें, मास्क लगाएं, दो गज की दूरी का पालन करें एवं वैक्सीन लगवाएं।

-- मु. अशोक गहलोत

आज छोटे शहर खाली क्यों हो रहे है ?

- आर के रस्तोगी

शायद आपने कभी ध्यान से देखा या देखा नहीं चूकि आपका गली मुहल्ले से इतना वास्ता नहीं पड़ता। आप बस तेजी से अपनी बाइक या कार से सीधे अपने काम पर निकल जाते हैं और वापस अपने घर आ जाते हैं । इसलिए शायद आपकी सूने होते मकानों और मोहल्लों पर नज़र जा नहीं पाती होगी या फिर आप खुद अपना जन्म स्थान छोड़कर किसी बड़े शहर में आकर बस गये हैं, तो आपको आभास ही नहीं कि कब आपके मोहल्ले के मकान सूने हो गये । उनमें सिर्फ बूढ़े माँ बाप पड़े हैं और फिर कब धीरे धीरे ऐसे मकानों से मोहल्ले सूने होते चले गये। खैर कल सुबह उठकर एक बार इसका जायज़ा लीजियेगा कि कितने घरों में अगली पीढ़ी के बच्चे रह रहे हैं और कितने बाहर निकलकर नोएडा, गुड़गांव, दिल्ली पूना, पटना या जयपुर जैसे बड़े शहरों में जाकर बस गये हैं। कल आप एक बार उन गली मोहल्लों से पैदल निकलिएगा जहां से आप बचपन में स्कूल जाते समय या दोस्तों के संग मस्ती करते हुए निकलते थे। तिरछी नज़रों से झांकिए.. हर घर की ओर आपको एक चुपचाप सी सुनसानियत मिलेगी, न कोई आवाज़, न बच्चों का शोर, बस किसी किसी घर के बाहर या खिड़की में आते जाते लोगों को ताकते बूढ़े जरूर मिल जायेंगे। आखिर इन सूने होते घरों और खाली होते मुहल्लों के कारण क्या हैं ? भौतिकवादी युग में हर व्यक्ति चाहता है कि उसके बच्चे बेहतर से बेहतर पढ़ें। उनको लगता है या फिर दूसरे लोग उसको ऐसा महसूस कराने लगते हैं कि छोटे शहर या कस्बे में पढ़ने से उनके बच्चे का कैरियर खराब हो जायेगा या फिर बच्चा बिगड़ जायेगा। बस यहीं से बच्चे निकल जाते हैं बड़े शहरों के होस्टलों में। अब भले ही दिल्ली और उस छोटे शहर में उसी क्लास का सिलेबस और किताबें वही हों मगर मानसिक दबाव सा आ जाता है बड़े शहर में पढ़ने भेजने का। हालांकि इतना बाहर भेजने पर भी मुश्किल से 1% बच्चे **IIT, PMT** या **CLAT** वगैरह में निकाल पाते हैंज और फिर वही मां बाप बाकी बच्चों का पेमेंट सीट पर इंजीनियरिंग, मेडिकल या फिर बिज़नेस मैनेजमेंट में दाखिला कराते हैं। 4 साल बाहर पढ़ते पढ़ते बच्चे बड़े शहरों के माहौल में रच बस जाते हैं और फिर वहीं नौकरी ढूंढ लेते हैं। अब त्योहारों पर घर आते हैं माँ बाप के पास। माँ बाप भी सभी को अपने बच्चों के बारे में गर्व से बताते हैं । उनके पैकेज के बारे में बताते हैं। एक साल, दो साल, कुछ साल बीत गये । मां बाप बूढ़े हो रहे हैं और बच्चों ने लोन लेकर बड़े शहरों में फ्लैट ले लिये हैं। अब अपना फ्लैट है तो त्योहारों पर भी जाना बंद। सिर्फ कोई जरूरी शादी ब्याह में आते जाते हैं। अब शादी ब्याह तो बेंकुट हाल में होते हैं तो मुहल्ले में और घर जाने की भी ज्यादा जरूरत नहीं पड़ती है। हाँ शादी ब्याह में कोई मुहल्ले वाला पूछ भी ले कि भाई अब कम आते जाते हो तो आप छोटे शहर, छोटे माहौल और बच्चों की पढ़ाई का उलाहना देकर बोल देते हैं कि अब यहां रखा भी क्या है? खैर, बेटे बहुओं के साथ फ्लैट में शहर में रहने लगे हैं । अब फ्लैट में तो इतनी जगह होती नहीं कि बूढ़े खांसते बीमार माँ बाप को साथ में रखा जाये। बेचारे पड़े रहते हैं अपने बनाये या पैतृक मकानों में। कोई बच्चा बागवान पिक्चर की तरह मां बाप को आधा - आधा रखने को भी तैयार नहीं। अब साहब, घर खाली खाली, मकान खाली खाली और धीरे धीरे मुहल्ला खाली हो रहा है। अब ऐसे में छोटे शहरों में कुकुरमुत्तों की तरह उग आये प्रॉपर्टी डीलरों की गिद्ध जैसी निगाह इन खाली होते मकानों पर पड़ती है और वो इन बच्चों को घुमा फिरा कर उनके मकान के रेट समझाने शुरू करते हैं । उनको गणित समझाते हैं कि कैसे घर बेचकर फ्लैट का लोन खत्म किया जा सकता है और एक प्लाट भी लिया जा सकता है। ये प्रॉपर्टी डीलर सबसे ज्यादा ज्ञान बांटते हैं कि छोटे शहर में रखा ही क्या है। साथ ही ये किसी बड़े लाला को इन खाली होते मकानों में मार्केट और गोदामों का सुनहरा भविष्य दिखाने लगते हैं। कभी कभी हम भी सोचने लगते है कि बच्चे बेकार में पच्चीस हजार फ्लैट का किराया दे रहे है क्यों न इस मकान को बेच कर उन्हें फ़्लैट दिलवा दिया जाये ताकि उन्हें इतना अधिक किराया देना न पड़े। बाबू जी और अम्मा जी को भी बेटे बहू के साथ बड़े शहर में रहकर आराम से मज़ा लेने के सपने दिखाकर मकान बेचने को तैयार कर लेते हैं। आप खुद अपने ऐसे पड़ोसी के मकान पर नज़र रखते हैं और खरीद कर डाल देते हैं कि कब मार्केट बनाएंगे या गोदाम, जबकि आपका खुद का बेटा छोड़कर पूना की ब्रुअ कंपनी में काम कर रहा है इसलिए आप खुद भी इसमें नहीं बस पायेंगे। हर दूसरा घर, हर तीसरा परिवार सभी के बच्चे बाहर निकल गये हैं। वही बड़े शहर में मकान ले लिया है, बच्चे पढ़ रहे हैं,अब वो वापस नहीं आयेंगे। छोटे शहर में रखा ही क्या है । इंग्लिश मीडियम स्कूल नहीं है, हॉबी क्लासेज नहीं है, **IIT/PMT** की कोचिंग नहीं है, मॉल नहीं है, माहौल नहीं है, कुछ नहीं है साहब, आखिर इनके बिना जीवन कैसे चलेगा। पर कभी **UPSC CIVIL SERVICES** का रिजल्ट उठा कर देखियेगा, सबसे ज्यादा लोग ऐसे छोटे शहरों से ही मिलेंगे। बस मन का वहम है। मेरे जैसे लोगों के मन के किसी कोने में होता है कि भले ही कहीं फ्लैट खरीद लो, मगर रहो अपने उसी छोटे शहर में अपने लोगों के बीच में । पर जैसे ही मन की बात रखते हैं, बुद्धिजीवी अभिजात्य पड़ोसी समझाने आ जाते है कि अरे बावले हो गये हो, यहाँ बसोगे, यहां क्या रखा है? वो भी गिद्ध की तरह मकान बिकने का इंतज़ार करते हैं, बस सीधे कह नहीं सकते। अब ये मॉल, ये बड़े स्कूल, ये बड़े टॉवर वाले मकान सिर्फ इनसे तो ज़िन्दगी नहीं चलती। एक वक्त, यानी बुढ़ापा ऐसा आता है जब आपको अपनों की ज़रूरत होती है। ये अपने आपको छोटे शहरों या गांवों में मिल सकते हैं, फ्लैटों की रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन में नहीं। मैंने कोलकाता, दिल्ली, मुंबई में देखा कि वहां शव यात्रा चार कंधों पर नहीं बल्कि एक खुली गाड़ी में पीछे शीशे की केबिन में जाती है, सीधे शमशान, एक दो रिश्तेदार बस और सब खत्म। भाईसाब ये खाली होते मकान, ये सूने होते मुहल्ले, इन्हें सिर्फ प्रोपेर्टी की नज़र से मत देखिए, बल्कि जीवन की खोती जीवंतता की नज़र से देखिए। आप पड़ोसी विहीन हो रहे हैं। आप वीरान हो रहे हैं। आज गांव सूने हो चुके हैं शहर कराह रहे हैं .सूने घर आज भी राह देखते हैं.. बंद दरवाजे बुलाते हैं पर कोई नहीं आता . आज इस हालातो को देखकर एक कवि की कविता याद आने लगती है।

गली के मोड़ पे.. सूना सा कोई दरवाजा
तरसती आंखों से रस्ता किसी का देखेगा
निगाह दूर तलक.. जा के लौट आयेगी
करोगे याद तो हर बात याद आयेगी ..

समझाइए, बसाइए लोगों को छोटे शहरों और जन्मस्थानों के प्रति मोह जगाइए, प्रेम जगाइए।

ज्ञान गंगा

विचार

श्रीराम शर्मा आचार्य

विचारणाओं और भावनाओं की उत्कृष्टता ही मानवीय उत्कर्ष का, अभ्युदय का प्रमुख आधार है। जो इस तथ्य से भली-भांति अवगत हैं, वे अपनी चिन्तन-चेतना को सदैव ऊर्ध्वगामी बनाए रखने का प्रय करते हैं। विचार शक्ति की महिमा से अनजान व्यक्तियों को जिस-तिस प्रकार अस्त-व्यस्त जीवन जीने को विवश होते और अविकसित मनःस्थिति में दम तोड़ते देखा जाता है। विचारों का स्तर विधेयात्मक या निषेधात्मक जैसा भी होगा, व्यक्तित्व भी तदनुरूप ढलता चला जाएगा। विधेयात्मक विचार प्रक्रिया को अपना कर ही आगे बढ़ा और ऊंचा उठा जा सकता है। प्रगति एवं व्यक्तित्व की प्रखरता का सूत्र सादा जीवन तथा उच्च चिन्तन में ही निहित है। मनुष्य में एक विशिष्ट प्रकार की विचार ऊर्जा सतत प्रवाहित होती रहती है। यदि उसे विधेयात्मक एवं रचनात्मक दिशा में मोड़ा-मरोड़ा जा सके तो मनुष्य सीमित एवं संकुचित दायरे से निकलकर अपने विराट् स्वरूप की झांकी आसानी से व्यक्त कर सकता है। जीवन दर्शन की समस्त संभावनाएं इसी ऊर्जा प्रवाह पर निर्भर करती हैं। सामान्य से असामान्य बना सकने वाला जीवन तत्त्व इसी में विद्यमान है। काय-कलेवर, जिससे आचरण और क्रियाएं संपादित होती हैं, विचारों द्वारा ही संचालित होता है। उनके स्तर के अनुरूप ही व्यक्तित्व का निर्माण होता है। जो व्यक्ति रचनात्मक विचारणाओं को जिस अनुपात में अपनाता, संजोता और सक्रिय करता चलता है, उतना ही वह सदाचारी, पुरुषार्थी और परमार्थी बनता जाता है। इसी आधार पर सुख-शांति के अक्षुण्ण बने रहने का आधार खड़ा होता है। विचार प्रवाह के निम्नगामी होने पर व्यक्तित्व के विकास में विघ्न पहुंचता है। इस तरह की विचारधारा को 'डिकोटोमस' अर्थात् विकृत एवं विघटनकारी प्रवाह के नाम से भी जाना जाता है। इस मानसिक रुग्णता की स्थिति में अचिन्त्य चिंतन एवं अनौचित्यपूर्ण क्रियाकलाप के जाल में फंस जाना कोई आचर्य की बात नहीं है। अज्ञानता-अबोधतावश और असावधानी से ऐसा हो सकता है, किन्तु तथाकथित सभ्यों को जब ऐसा सोचते और आचरण करते देखा जाता है, जो मानवीय गरिमा और सभ्यता के अनुकूल नहीं होता, तब और भी अधिक आश्चर्य होता है।

आज का राशिफल

मेष आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। अपनों से पीड़ा मिल सकती है। नेत्र विकार की संभावना है। खानपान में संयम रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। अपनो से संबंधों में कटुता आयेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। संतान से पीड़ा मिल सकती है। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार का भरपूर सहयोग रहेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

तुला आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। नेत्र विकार की संभावना है।

वृश्चिक रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। संतान के कारण चिंतित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नौकरी पेशा व्यक्तियों के पद में उन्नति होने के योग हैं। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

दुनिया के देशों के लिए सबक है अमेरिका की मास्क की लापरवाही

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

एक छोटी-सी लापरवाही अमेरिका सहित दुनिया के देशों पर भारी पड़ने लगी है। दरअसल अमेरिका में कोरोना संक्रमण का ग्राफ एकबार फिर बढ़ने लगा है और इसका प्रमुख कारण सरकार द्वारा मास्क हटाने के जल्दबाजी के निर्णय को माना जा रहा है। हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि अमेरिका में वैक्सीनेशन की दोनों डोज लगा चुके नागरिकों को भी अब बंद स्थानों पर भी मास्क लगाए रहने के निर्देश दिए गए हैं। दरअसल मास्क की लापरवाही के चलते अमेरिका में संक्रमण का ग्राफ 145 फीसदी तक बढ़ गया है। 28 जुलाई को अमेरिका संक्रमण के मामले में एकबार फिर शीर्ष पर आ गया और 61 हजार नए मामले सामने आए हैं। चिंता की बात यह है कि भारत भी संक्रमण के मामले में दूसरे नंबर पर और ब्राजील तीसरे नंबर पर चल रहे हैं। हांलाकि कोरोना के मौत के मामले में भारत तीसरे स्थान पर है। पर हालात की गंभीरता को इसी से समझा जाना चाहिए कि केरल और महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है। दरअसल अमेरिका में 14 मई को एक आदेश जारी कर वैक्सीनेशन की दोनों डोज लगा चुके लोगों को सार्वजनिक और इनडोर स्थानों पर भी मास्क न लगाने की छूट दे दी गई। लोगों को मौका मिल गया और फिर कोरोना प्रोटोकाल की पालना नहीं होनी ही थी। इससे कोरोना के नए अवतार डेल्टा का संक्रमण बढ़ने लगा और परिणाम सबके सामने हैं। यह सब तो तब है जब अमेरिका में 49 प्रतिशत आबादी को वैक्सीनेशन की दोनों डोज लग चुकी है। ऐसा नहीं है कि अमेरिका में ही यह हालात हो, इंग्लैण्ड की स्थिति सबके सामने हैं। इसी तरह कमोबेश स्थितियां अन्य देशों में सामने आ रही है। वैज्ञानिकों द्वारा कोरोना की तीसरी लहर की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। यहां तक माना जा रहा है कि यूरोपीय देशों में तो तीसरी लहर ने दस्तक दे दी है। यह तो संपन्न और शिक्षित देशों के हालात है। ऐसे में पिछड़े देशों के हालात की कल्पना आसानी से की जा सकती है। देश में कोरोना की दूसरी लहर के हालातों ने जितनी जनहानि की है वह त्रासद स्थिति भुलाए नहीं भूली जा सकती। ऑक्सीजन के लिए तड़पते संक्रमितों और उनके परिजनों को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल जाते, बेड नहीं मिलने के कारण अस्पताल की बाहर ही दम तोड़ते लोगों के जो हालात सामने रहे हैं वह इसकी भयावहता को बयां करने को काफी है। वेंटिलेटर बेड, ऑक्सीजन बेड के लिए जो मारामारी रही और जिस तरह से कुछ असामाजिक लोगों ने इन हालातों का बेजा फायदा उठाने का प्रयास किया वह मानवता को शर्मसार करने के लिए काफी है। कोरोना इलाज के लिए आवश्यक दवाओं की जिस तरह से जमाखोरी कालाबाजारी सामने आई और एक-एक लाख तक में इंजेक्शन ब्लैक करने वालों द्वारा उपलब्ध कराए जाना अपने आप में चिंतनीय है। ब्लैक करने वालों द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे रेमडेसिविर इंजेक्शन नकली होने के समाचार भी आम हैं। ऐसे में तीसरी लहर के लिए गंभीर होना जरूरी हो जाता है। खासतौर से तीसरी लहर में बच्चों के अधिक संक्रमित होने की भविष्यवाणी गंभीर हो जाती है। दरअसल हमें ही नहीं बल्कि दुनिया के देशों को अमेरिका के ताजा हालातों से सबक लेना होगा। हमारे यहां भी छूट का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। बाजारों व सार्वजनिक स्थानों पर आवाजाही आम होती जा रही है। हालांकि अर्थ व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए देर सबेर हालात सामान्य करना भी आवश्यक है। पर इस सबके साथ कोरोना प्रोटोकाल की पालना भी उतनी ही जरूरी हो जाती है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि कोरोना अभी गया नहीं है। इसका असर बरकरार है। इसलिए लोगों को कोरोना प्रोटोकाल की पालना के प्रति गंभीर रहना ही होगा। दो गज की दूरी, मास्क जरूरी आज भी उतना ही जरूरी है जैसा पहले था। अब स्टे होम-स्टे सेफ की बात करना तो बेमानी होगा। क्योंकि कोरोना के साथ साथ ही हमें जीना है, आगे बढ़ना है, आर्थिक गतिविधियों को संचालित करना है, काम धंधे जारी रखना है। आखिर सरकार की भी एक सीमा है। ऐसे में देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व हो जाता है कि वो आत्म नियंत्रण करना सीखे। यह हमारी सनातन पंरपरा भी कहती आ रही है। इसमें नया कुछ भी नहीं है। निज पर शासन फिर अनुशासन आज की आवश्यकता है। मास्क का उपयोग और दो गज की दूरी उतनी ही जरुरी है जितनी कोरोना के पहले दौर में थी। मास्क लगाना, बार बार हाथ धोना और सेनेटाइजर का उपयोग आने वाले समय में भी जारी रखना होगा। अपनी सुरक्षा अपने हाथ में हैं यह हमें समझना होगा। हालांकि देश में तेजी से वैक्सीनेशन जारी है। पर हमें अमेरिका से सबक लेना होगा, वैक्सीनेशन का मतलब कोरोना व खासतौर से कोरोना के नए अवतारों से मुक्ति नहीं समझना होगा। देश में एंटीबॉडीज का प्रतिशत बढ़ रहा है। यह भी सही है कि कोरोना की दोनों डोज लेने के बाद भी संक्रमित हुए हैं और ऐसे संक्रमितों को जीवन-मृत्यु से दो चार होते हुए देखा गया है। इसलिए हमें मास्क लगाना, दो गज की दूरी सहित कोरोना प्रोटोकाल की पालना के लिए गंभीर रहना ही होगा। सरकार को भी कोरोना प्रोटोकाल की पालना के प्रति कठोरता बरतनी ही होगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

करूर वैश्य बैंक का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ मामूली वृद्धि के साथ 109 करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली: निजी क्षेत्र के करूर वैश्य बैंक (केवीबी) ने बुधवार को बताया कि 30 जून को समाप्त पहली तिमाही में उसका शुद्ध लाभ मामूली वृद्धि के साथ 109 करोड़ रुपए रहा। बैंक ने एक साल पहले की समान अवधि में 106 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। करूर वैश्य बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बैंक की कुल आय वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में घटकर 1,596 करोड़ रुपए रह गई, जो इससे पूर्व वित्त वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में 1,693 करोड़ रुपए थी। हालांकि, बैंक की शुद्ध ब्याज आय पहले के 562 करोड़ रुपए से 14 प्रतिशत बढ़कर 638 करोड़ रुपए हो गई। केवीबी ने कहा कि इसका शुद्ध ब्याज मार्जिन 3.55 फीसदी रहा। बैंक का सकल एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) यानी फंसा कर्ज 30 जून, 2021 को समाप्त तिमाही में कुल कर्ज का 7.97 प्रतिशत रहा जो एक साल पहले इसी तिमाही में 8.34 प्रतिशत था। हालांकि शुद्ध एनपीए आलोच्य तिमाही में बढ़कर 3.69 प्रतिशत हो गया जो एक साल पहले 2020-21 की इसी तिमाही में 3.44 प्रतिशत था।

रुपये में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी, 74.19 रुपये प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई, घरेलू शेयर बाजार में आई तेजी के बीच अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में मजबूती आई। अंतरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को रुपया नौ पैसे की तेजी के साथ 74.19 (अस्थायी) प्रति डालर पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सुबह रुपया 74.16 पर खुला तथा कारोबार के दौरान ऊंचे में 74.08 और नीचे में 74.19 तक गया। अंत में यह पिछले सत्र के मुकाबले नौ पैसे की तेजी के साथ 74.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। मंगलवार को रुपया 74.28 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की तेजी के साथ 92.09 हो गया। वहीं, बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 546.41 अंक उछलकर रिकार्ड 54,369.77 अंक पर बंद हुआ।

इंडिगो ने 15 वीं वर्षगांठ पर विशेष किराए का ऑफर लॉन्च किया

नई दिल्ली। अपने 15 साल के संचालन का जश्न मनाने के लिए, एयरलाइन प्रमुख इंडिगो ने बुधवार को अपने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन पर 915 रुपये से शुरू होने वाले सभी समावेशी किराए की पेशकश करते हुए तीन दिवसीय विशेष बिक्री की घोषणा की। यह प्रस्ताव 4-6 अगस्त, 2021 से शुरु होगा और 1 सितंबर, 2021 से 26 मार्च, 2022 के बीच यात्रा पर लागू होगा। इसके अतिरिक्त, फास्ट फॉरवर्ड, 6ई फ्लेक्स, 6ई बैगपोर्ट सहित 6ई ऐड-ऑन 315 रुपये में पेश किए जा रहे हैं, जबकि कार रेंटल सेवा 315 रुपये से शुरू होगी। इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोनोजॉय दत्ता के अनुसार यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है क्योंकि हम 15 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। हम अपने ग्राहकों और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहते हैं, जिन्होंने सबसे बुरे समय में भी हम पर विश्वास किया। वर्तमान में, इंडिगो 270 से अधिक विमानों के अपने बेड़े के साथ, एयरलाइन लगभग 1,000 दैनिक उड़ानें संचालित कर रही है और 67 घरेलू गंतव्यों और 24 अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों को जोड़ रही है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू, नीतिगत दर बरकरार रखने का अनुमान

मुंबई,

प्रमुख नीतिगत दरों को निर्धारित करने वाली भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने बुधवार को द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा को अंतिम रूप देने के लिए अपनी तीन दिवसीय बैठक शुरू की। विशेषज्ञों का मानना है कि मुद्रास्फीति के दबावों के बीच केंद्रीय बैंक ब्याज दरों पर यथास्थिति का विकल्प चुन सकता है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास शुक्रवार को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के प्रस्तावों को जारी करेंगे। आरबीआई गवर्नर की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय एमपीसी में तीन बाहरी सदस्य भी शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई मौद्रिक नीति के मोर्चे पर कोई बड़ा फैसला करने से पहले थोड़ा और इंतजार करेगा, क्योंकि केंद्रीय बैंक का ध्यान मुद्रास्फीति के प्रबंधन के साथ ही आर्थिक वृद्धि को बल देने पर भी है। केंद्रीय बैंक ने जून की नीति बैठक में प्रधान ब्याज दर को चार प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था। यह लगातार छठी बार था, जब एमपीसी ने ब्याज दर पर यथास्थिति बनाए रखी। ब्रिकवर्क रेटिंग्स के मुख्य आर्थिक सलाहकार एम गोविंद राव ने कहा कि एमपीसी ने मई 2020 से प्रमुख नीतिगत दरों को अपरिवर्तित रखा है। उन्होंने आगे कहा, ''हम उम्मीद करते हैं कि आरबीआई एमपीसी रेपो दर

को चार प्रतिशत पर बनाए रखते हुए हाल में शुरू हुए पुनरुद्धार का समर्थन जारी रखेगी। हमें यह भी उम्मीद है कि केंद्रीय बैंक एक चेतावनी देगा और स्थिति की बारीकी से निगरानी करने की जरूरत पर जोर देगा।'' हाउसिंग डॉट कॉम, मकान डॉट कॉम और प्रॉपटाइगर डॉट कॉम के समूह सीएफओ विकास वधावन ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि आरबीआई अपनी मौद्रिक नीति में यथास्थिति बनाए रखेगा।''

डालमिया निसस फाइनेंस ने दो रियल्टी परियोजनाओं में करीब 80 करोड़ रुपए का निवेश किया

नई दिल्ली:

डालमिया निसस फाइनेंस ने चेन्नई और बेंगलुरू में पूर्वांकर लिमिटेड और श्रीराम प्रॉपर्टीज द्वारा विकसित की जा रही दो रियल एस्टेट परियोजनाओं में करीब 80 करोड़ रुपए का निवेश किया है तथा 125 करोड़ रुपए के तीन और निवेश को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। डालमिया निसस फाइनेंस इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स एलएलपी ने यह राशि अपने रियल एस्टेट क्रेडिट अपॉर्चुनिटीज फंड- 1 (आरईसीओएफ-1) से निवेश किया है। डालमिस निसस अमित गोयनका की निसस फाइनेंस और गौरव डालमिया समूह का संयुक्त उद्यम कोष है। ये पहले निवेश 500 करोड़ रुपए के आरईसीओएफ-1 फंड का हिस्सा है जो मुख्य रूप से भारत में रियल एस्टेट कारोबार के क्षेत्र में संरचित ऋण और मेजेनाइन निवेश में निवेश करता है। फंड के प्रबंध निदेशक और सीईओ अमित गोयनका ने कहा कि यह निवेश फंड के लिए रियल एस्टेट क्षेत्र में अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने के लिहाज से एक खास समय है।

प्रतिभूति बाजार में निवेशकों के लिए एक चार्टर तैयार करने का काम जारी: सेबी प्रमुख

नयी दिल्ली, पूंजी बाजार नियामक सेबी ने कहा कि निवेश प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता लाने के लिये प्रतिभूति बाजार में निवेशकों के लिए एक चार्टर तैयार करने पर काम जारी है। चार्टर निवेशकों के अधिकारों और जिम्मेदारियों तथा शिकायत निवारण तंत्र पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के अध्यक्ष अजय त्यागी ने नियामक की वार्षिक रिपोर्ट 2020-21 में कहा, ''केंद्रीय बजट 2021-22 में घोषित निवेशक चार्टर को तैयार करने का काम जारी हैं।''रिपोर्ट के मुताबिक सेबी के लिए एक चार्टर और बाजार नियामक द्वारा विनियमित संस्थाओं के लिए अलग चार्टर का प्रस्ताव किया गया है। इसके साथ ही चार्टर में निवेशक संबंधी विभिन्न गतिविधियों के लिए समय-सीमा निर्धारित करने का प्रस्ताव किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि निवेशक चार्टर न केवल निवेश प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता लाने में मदद करेगा, बल्कि बाजार में निवेशकों को बेहतर ज्ञान के साथ निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।निवेशकों को सुरक्षा मुहैया कराने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट 2021-22 में वित्तीय निवेशकों के लिए एक निवेशक चार्टर पेश करने का प्रस्ताव रखा था।

बाजार नई ऊंचाई पर, सेंसेक्स 546 अंक चढ़कर 54 हजार के पार

मुंबई:

सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बीच वित्तीय शेयरों में जोरदार बढ़त के चलते प्रमुख शेयर सूचकांक बीएसई सेंसेक्स बुधवार को 546 अंक बढ़कर पहली बार 54,000 के ऊपर बंद हुआ। इस दौरान 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक अपने सर्वकालीन उच्च स्तर 54,465.91 पर पहुंचा और फिर 546.41 अंक यानी 1.02 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 54,369.77 पर बंद हुआ। इसी तरह, एनएसई निफ्टी 128.05 अंक या 0.79 प्रतिशत बढ़कर 16,246.85 के अपने सर्वकालीन उच्च स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले निफ्टी ने कारोबार के दौरान 16,290.20 उच्चतम स्तर को छुआ। सेंसेक्स में लगभग पांच प्रतिशत की बढ़त के साथ एचडीएफसी शीर्ष पर रहा। इसके अलावा कोटक बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक बढ़त दर्ज करने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। दूसरी ओर टाइटन, नेस्ले इंडिया, अल्ट्राटेक सीमेंट और सन फार्मा में गिरावट रही। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी ने कहा कि वित्तीय शेयरों में उछाल के बल पर घरेलू शेयर बाजार ने नई ऊंचाई को छुआ। उन्होंने कहा कि बाजार की तेजी में वित्तीय शेयर ही एकमात्र प्रेरक शक्ति थे। एसबीआई के बेहतर तिमाही नतीजों के बाद यह तेजी शुरू हुई। देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने बुधवार को बताया कि चालू

वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका एकल शुद्ध लाभ 55 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6,504 करोड़ रुपये रहा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बताया कि इस दौरान खराब ऋणों में गिरावट से उससे मदद मिली। एसबीआई का एनपीए जून के अंत में घटकर 5.32 प्रतिशत रह गया, जो पिछले साल जून के अंत में 5.44 प्रतिशत था। इसी तरह शुद्ध एनपीए भी जून 2020 में घटकर 1.7 प्रतिशत हो गया, जो एक साल पहले 1.8 प्रतिशत था। मोदी ने कहा कि इसके अलावा वैश्विक शेयर बाजारों से सकारात्मक संकेतों ने भी निवेशकों की भावनाओं को मजबूत किया। एशियाई बाजारों में शंघाई, हांगकांग और सियोल बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि तोक्यो में गिरावट रही। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.18 प्रतिशत बढ़कर 72.28 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया।

माइक्रोसॉफ्ट जल्द ही टीम मीटिंग में क्यू एंड ए फीचर को जोड़ा जाएगा

सैन फ्रांसिस्को।

बेहतर यूजर्स मीटिंग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, माइक्रोसॉफ्ट ने बुधवार को घोषणा की है कि वह टीम मीटिंग्स में क्यू एंड ए ऐप को रोलआउट करने की योजना बना रहा है, जो वर्तमान में निजी पूर्वावलोकन में है। प्रश्नोत्तर ऐप मीटिंग आयोजकों और प्रस्तुतकर्ताओं को किसी भी टीम मीटिंग में खुले या मॉडरेट किए गए प्रश्नोत्तर जोड़ने की अनुमति देगा। यह उपस्थित लोगों को बैठक से पहले और उस दौरान प्रश्न पूछने और उत्तर देने में सक्षम बनाएगा।आयोजक और नॉमिनेट प्रेसेंटर पहले उत्तरों को चिह्नित कर सकते हैं, प्रतिक्रियाओं को फिल्टर कर सकते हैं, प्रश्नों को मॉडरेट और खारिज कर सकते हैं और पोस्ट पिन कर सकते हैं। कंपनी ने बयान में कहा कि सवालों के जवाब मूल प्रश्न के साथ बातचीत में बनाया गया है। क्यू एंड ए आदर्श रूप से बड़ी और अधिक संरचित बैठकों, जैसे नेतृत्व प्रस्तुतियों, वेबिनार, कक्षा प्रशिक्षण, सभी हाथों की बैठकों और सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए तैयार है। कंपनी ने आउटलुक के लिए नए कम्युनिटी ऐप की भी घोषणा की है, जो वेब के लिए आउटलुक के अंदर पूर्ण यमर अनुभव लाता है।कंपनी ने कहा कि जल्द ही, उपयोगकर्ता समुदायों में शामिल हो सकेंगे, बातचीत और लाइव इवेंट में भाग ले सकेंगे और आउटलुक ऐप को छोड़े बिना अपने साथियों के साथ खुले तौर पर ज्ञान साझा कर सकेंगे। कंपनी के अनुसार, माइक्रोसॉफ्ट टीमों के लिए समुदाय ऐप आपको अपने समुदायों में क्या हो रहा है, उससे जुड़े रहने में मदद करता है, टीमों और विभागों के ज्ञान में टैप करता है और फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं से समाधान और सर्वोत्तम प्रथाओं को क्राउडसोर्स करता है। आने वाले हफ्तों में, माइक्रोसॉफ्ट टीम स्टाइल को इनहेरिट करने के लिए ऐप को अपडेट कर रहा है, नोटिफिकेशन और डीप-लिंकिंग को शामिल कर रहा है, और सुझाए गए समुदायों जैसी नई क्षमताओं को शामिल कर रहा है।माइक्रोसॉफ्ट चिरायु के साथ, माइक्रोसॉफ्ट एक कर्मचारी अनुभव मंच बना रहा है जो सीधे काम के प्रवाह में कर्मचारी जुड़ाव, सीखने और प्रशिक्षण, भलाई के अनुभव और ज्ञान की खोज को एक साथ लाता है।

13 अगस्त को पेश होगा स्टालिन सरकार का पहला बजट

चेन्नई। एमके स्टालिन सरकार का पहला बजट 13 अगस्त को पेश किया जाएगा और लोगों को राज्य के वित्त मंत्री पी.टी.आर. पलानीवेल त्यागराजन, जो स्वयं एक बैंकर थे, उनसे लोगों को काफी उम्मीदें है अन्नाद्रमुक सरकार ने 2021-22 का बजट पहले ही पेश कर दिया था, वहीं स्टालिन सरकार 2021-22 के लिए संशोधित बजट पेश करेगी। दिलचस्प बात यह है कि बैंकर से राजनेता बने पलानीवेल त्यागराजन ने कहा कि बजट का बड़ा हिस्सा खुद लिखा है, जो पिछले वर्षों के मुकाबले एक क्रांतिकारी बदलाव लाएगा, पहले वित्त मंत्रियों को बजट तैयार करने के लिए पूरी तरह से आईएएस अधिकारियों पर निर्भर रहना पड़ता था। राज्य सरकार इस बजट वर्ष एक अलग कृषि बजट पेश करेगी क्योंकि राज्य सरकार ने वादा किया था कि उनकी प्राथमिकता कृषि होगी और कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों को शामिल करना होगा। ग्रामीण निकाय चुनावों के साथ, द्रमुक सरकार द्वारा पेश किए जाने वाले बजट में जनता के लिए कई मुफ्त सुविधाएं होंगी, जिसमें गृहणियों के लिए 1,000 रुपये के मासिक वेतन का वादा किया गया था, वादा डीएमके के चुनावी घोषणा पत्र में किया गया था।

भारत में 9 महीने में पोको सी3 की 20 लाख से ज्यादा यूनिट की बिक्री

बेंगलुरू।

स्मार्टफोन ब्रांड पोको ने बुधवार को घोषणा की कि उसने भारत में फ्लिपकार्ट पर लॉन्च होने के नौ महीने के भीतर ही पोको सी3 स्मार्टफोन की 20 लाख से अधिक इकाइयां बेची हैं। कंपनी के अनुसार, पोको सी3 को उपयोगकर्ताओं से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली है और लॉन्च के बाद से यह ऑनलाइन बेस्टसेलर बना हुआ है। कंपनी ने एक बयान में कहा, विशेष पोको टू-टोन डिजाइन के साथ, पोको सी3 किसी ऐसे व्यक्ति के लिए सही उपहार देने का विकल्प बनाता है, जो अपने प्रियजनों के लिए एक बेहद सस्ती कीमत पर एक ठोस बजट प्रदर्शन करना चाहता है।इस स्मार्टफोन में 6 पॉइंट53 इंच का एचडी प्लस डिस्प्ले है, जिसका रेजोल्यूशन 1600गुणा720 है और इसका आस्पेक्ट रेशियो 20:9 है। लंबे समय तक फोन का उपयोग करते समय आंखों पर कम तनाव के लिए टीयूवी रीनलैंड द्वारा प्रमाणित डिस्प्ले रीडिंग मोड। डिवाइस एआई ट्रिपल कैमरा सेटअप के साथ आता है - 13एमपी प्राइमरी सेंसर, 2एमपी मैक्रो सेंसर और 2एमपी डेप्थ सेंसर। इसमें 5000एमएएच की उच्च क्षमता वाली बैटरी है।कंपनी ने पिछले महीने भारत में नवीनतम 6एनएम डाइमेंशन 1200 चिपसेट के साथ अपने बहुप्रतीक्षित डिवाइस - पोको एफ3 जीटी का भी लॉन्च किया है। मई के अंत में, कंपनी ने घोषणा की कि उसने पहली तिमाही (क्यू1 2021) में 300 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की है, जो देश में सबसे तेजी से बढ़ने वाला ब्रांड बन गया है।

गन्ना भुगतान में लापरवाही पर पांच चीनी मिलों के खिलाफ आरसी जारी

लखनऊ।

किसानों को गन्ना भुगतान में लापरवाही करने वाली पांच बड़ी चीनी मिलों के खिलाफ गन्ना आयुक्त ने आरसी रिकवरी सर्टिफिकेट जारी किया है। वसूली के पैसे से गन्ना किसानों को भुगतान किया जाएगा। सरकार की इस कार्रवाई पर किसानों ने खुशी जाहिर की है।अपर मुख्य सचिव व गन्ना एवं चीनी विभाग के आयुक्त संजय आर. भूसरेड्डी ने बताया कि मोदी समूह की मलकपुर-बागपत,चीनी मिल, गड़ौरा-महराजगंज चीनी मिल, सिम्भावली समूह की चिलवरिया-बहराइच चीनी मिल, बजाज समूह की इटई मैदा-बलरामपुर चीनी मिल तथा यदु समूह की बिसौली-बदायूं चीनी मिल के खिलाफ आरसी जारी की गई है। कई बार की नोटिस के बाद भी ये मिलें गन्ना किसानों के भुगतान में लापरवाही बरत रही थी। इससे किसानों को काफी नुकसान हो रहा था। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन भू-राजस्व के बकाया कि तरह ही चीनी मिलों से वसूली कर सकेगा, जिससे किसानों के गन्ना मूल्य का भुगतान कराने में मदद मिलेगी। अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान के लिए चीनी मिलों को समीक्षा बैठकों एवं नोटिसों के माध्यम से जल्द भुगतान कराए जाने के निर्देश दिए जा चुके हैं।पेराई सत्र 2020-21 में संचालित 120 चीनी मिलों में से 36 चीनी मिलों द्वारा शत-प्रतिशत तथा 29 चीनी मिलों द्वारा 80 प्रतिशत से अधिक का भुगतान गन्ना किसानों को किया जा चुका है। इनमें से 19 चीनी मिलें तो 90 प्रतिशत से अधिक का भुगतान कर चुकी है।

गन्ना आयुक्त ने बताया कि गन्ना किसानों को समय पर भुगतान कराने के लिए रोजाना गन्ना मूल्य भुगतान की समीक्षा की जा रही है। गन्ना किसानों के बकाये का सौ फीसद भुगतान सरकार की प्रतिबद्धता है।

सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनियों के कर्मचारी निजीकरण के विरोध में हड़ताल पर गए

नई दिल्ली:

सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा (पीएसजीआई) कंपनियों के कर्मचारी बुधवार को सरकारी बीमा कंपनियों के निजीकरण के विरोध में एक दिन की देशव्यापी हड़ताल कर रहे हैं। पीएसजीआई कंपनियों के श्रमिक संगठनों के संयुक्त मोर्चे की सोमवार को बैठक हुई और इन कंपनियों के निजीकरण के सरकार के फैसले का विरोध करने का फैसला किया। अखिल भारतीय सामान्य बीमा कर्मचारी संघ के महासचिव के गोविंदन ने कहा कि यूनियनों ने लोकसभा में साधारण बीमा कारोबार (राष्ट्रीयकरण) संशोधन विधेयक, 2021 को पारित किए जाने के खिलाफ एक दिन की हड़ताल का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि पीएसजीआई की सभी चार कंपनियों के कर्मचारी दिन भर की हड़ताल में हिस्सा ले रहे हैं। पेगासस जासूसी और अन्य मुद्दों पर विपक्षी दलों के लगातार विरोध के बीच लोकसभा ने सोमवार को बिना चर्चा के विधेयक को पारित कर दिया। यह विधेयक बुधवार को चर्चा और पारित होने के लिए राज्यसभा में आने वाला है। इस विधेयक के पारित होने के बाद केंद्र सरकार किसी बीमा कंपनी में 51 प्रतिशत से कम हिस्सेदारी रख सकती है यानी उसका निजीकरण किया जा सकता है। अखिल भारतीय बीमा कर्मचारी संघ (एआईआईईए) ने कहा कि इन उपायों के चलते सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की सभी चार सामान्य बीमा कंपनियों और पुनर्बीमाकर्ता जीआईसी री का निजीकरण कर सकेगी। एआईआईईए ने कहा, ''वित्त मंत्री का यह तर्क हास्यास्पद लगता है कि यह निजीकरण नहीं है, बल्कि अधिक से अधिक निजी भागीदारी की दिशा में उठाया गया कदम है। गौरतलब है कि पीएसजीआई कंपनियां प्रीमियम संग्रह और दावा निपटान के मामले में पहले पांच स्थान पर काबिज हैं।

व्हाइटहैट जूनियर के संस्थापक करण बजाज ने कंपनी छोड़ी

नई दिल्ली:

शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी बायजूस द्वारा कोडिंग मंच व्हाइटहैट जूनियर का अधिग्रहण करने के एक साल बाद उसके संस्थापक करण बजाज ने बुधवार को कंपनी छोड़ने की घोषणा की। तृप्ति मुखर्जी संगठन का नेतृत्व करेंगी, जो इससे पहले ग्राहक अनुभव और वितरण प्रमुख थीं। लिंक्डइन पर एक पोस्ट में बजाज ने 2018 में स्थापित इस कंपनी से अपनी विदाई की जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''मैं नए रास्तों पर आगे बढ़ रहा हूं। इसके साथ ही 17,000 से अधिक कर्मचारियों और शिक्षकों के प्रति मेरी अत्यधिक कृतज्ञता, जो सिर्फ दो साल पहले तक मेरे जीवन का हिस्सा नहीं थे। किसी भी तरह से मुझ पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद।

मैं आप में से लगभग हर एक को जानता हूं और आपको हमेशा बेहद गर्मजोशी से याद रखूंगा। बजाज ने बायजूस के संस्थापक बायजू रवींद्रन को भी धन्यवाद दिया। बायजूस ने अगस्त 2020 में 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 2,240 करोड़ रुपए) में व्हाइटहैट जूनियर का अधिग्रहण किया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टोक्यो ओलंपिक की भाला फेंक प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे भारत के नीरज

टोक्यो । भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा शानदार प्रदर्शन के साथ ही टोक्यो ओलंपिक के फाइनल में पहुंच गये हैं। नीरज ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए जर्मनी के विश्व चैम्पियन जोहानस वेटर को हराया। नीरज ने पहले प्रयास में ही 86.65 मीटर दूर भाला फेंककर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के साथ ही भारत के लिए एक और पदक की उम्मीद जगा दी है। नीरज अब वह सात अगस्त को फाइनल राउंड में उतरेंगे। क्वालिफिकेशन दौर में उन्होंने जोहानस को शिकस्त दी। जर्मनी का यह भाला फेंक खिलाड़ी क्वालिफिकेशन मार्क तक पहुंचने के लिए अपने पहले दोनो प्रयासों में संघर्ष करता दिखा जबकि ओलंपिक से पहले उसने कहा था कि नीरज एक अच्छा खिलाड़ी है पर उन्हें नहीं हरा पायेगा।

ओलंपिक में पदक जीतने के बाद पीवी सिंधु ने बताया क्या है अगला लक्ष्य

नई दिल्ली।

ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी पीवी सिंधु ने अभी अपनी सफलता का पूरी तरह से जश्न भी नहीं मनाया है लेकिन फिर भी अपना अगला लक्ष्य तय कर लिया है जो इस साल स्पेन में विश्व चैंपियनशिप खिताब का बचाव करना है। रविवार को 26 साल की सिंधु लगातार दो व्यक्तिगत ओलंपिक पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय और देश की पहली महिला खिलाड़ी बनी थी। रियो 2016 में रजत पदक के बाद उन्होंने तोक्यो खेलों में कांस्य पदक जीता। सिंधु ने यहां बातचीत के दौरान कहा, ''निश्चित तौर पर अब तक इन भावनाओं से पूरी तरह से नहीं बाहर निकल पाई हूं लेकिन मैं इस लम्हें का लुत्फ उठा रही हूं। यह किसी के लिए भी सपना साकार होने की तरह है। ये ऐसे लम्हें हैं जिन्हें आप हमेशा याद रखते हो।' उन्होंने कहा, 'ओलंपिक में लगातार दो पदक जीतना मेरे लिए बड़ी बात है। मुझे यकीन है कि यह अन्य लोगों को प्रेरित करेगा और खेल को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।' यह पूछने पर कि अब उनका लक्ष्य क्या है, सिंधु ने कहा, 'कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं होने वाली हैं। जल्द ही मैच अभ्यास शुरू करूंगी और अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हूं और अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहती हूं। स्पेन में विश्व चैंपियनशिप भी है और मुझे अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है।' उन्होंने कहा, 'मैं निश्चित तौर पर 2024 पेरिस ओलंपिक में खेलूंगी लेकिन इसमें काफी समय है। मैं अब इस लम्हें को सहेजकर रखने का प्रयास कर रही हूं।' महामारी के कारण स्थगित की गई विश्व चैंपियनशिप का आयोजन स्पेन के हुएल्वा में 12 से 19 दिसंबर तक होना है। महामारी के बीच कई टूर्नामेंट रद्द होने के कारण सिंधु को अपने रक्षण पर काम करने का मौका मिला और उन्होंने इस दौरान स्मैश और नेट पर अपने कौशल को निखारा। सिंधु ने कहा, 'मैंने पहले ही वादा किया था कि आपको कुछ नया कौशल और स्ट्रोक देखने को मिलेंगे। मुझे खुशी है कि मैं ओलंपिक में इसे दिखा पाई। मैं अपने कोच पार्क (तेइ-सांग) की आभारी हूं, हमने तकनीक पर कड़ी मेहनत की।' यह पूछने पर कि ओलंपिकस से पहले अनिश्चितता को देखते हुए क्या चीजें मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण थी, सिंधु ने कहा, ''मुझे यकीन है कि ऐसा था क्योंकि महामारी से काफी लोग प्रभावित हुए और हमें लॉकडाउन का सामना करना पड़ा लेकिन मैंने इस समय का इस्तेमाल अपने कौशल और तकनीक पर काम करने के लिए किया।' उन्होंने कहा, 'फिटनेस बरकरार रखना और ओलंपिक से पहले मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत रहना चुनौतीपूर्ण था, जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में रहते हुए हमें अपना ख्याल रखना था।' सिंधु ने लगातार बड़े टूर्नामेंटों में पदक जीते। उन्होंने 2018 में राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने के बाद बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में स्वर्ण और रजत पदक जीता। उन्होंने 2019 में खिताब से पहले विश्व चैंपियनशिप में दो रजत और दो कांस्य पदक भी जीते।

क्रिकेट जगत ने लवलीना की उपलब्धि को सराहा

नई दिल्ली।

टोक्यो ओलंपिक में भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन के कांस्य पदक जीतने के बाद क्रिकेट के कुछ हस्तियों ने उनकी इस उपलब्धि को सराहा है। टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग, ईशांत शर्मा और वेंकटेश प्रसाद के अलावा अन्य लोगों ने सोशल मीडिया पर लवलीना को जीत की बधाई दी। पूर्व क्रिकेटर सहवाग ट्वीट करते हुए लिखा , शानदार लवलीना! ओलंपिक पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय मुक्केबाज। कांस्य जीतने पर बधाई। विजेंदर सिंह (2008 बीजिंग) और एमसी मैरी कॉम (2012 लंदन) के बाद ओलंपिक में पदक जीतने वाली लवलीना तीसरी मुक्केबाज हैं। असम की मुक्केबाज के प्रयास की बदौलत भारत ने अब टोक्यो में एक रजत और दो कांस्य पदक जीतकर 2016 के रियो ओलंपिक खेलों की अपनी तालिका में सुधार किया है। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने पोस्ट किया, भारत के लिए तीसरा पदक। अपने पहले ओलंपिक में पदक जीतने पर हार्दिक बधाई। लवलीना आपको आने वाले समय के लिए शुभकामनाएं। भारत के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने ट्वीट करते हुए लिखा, रिंग की बाजीगर। भारत को आप पर गर्व है, लवलीना बोरगोहेन। टोक्यो ओलंपिक में हमारे देश के लिए तीसरा पदक जीतने के लिए धन्यवाद! ऐसे ही आगे बढ़ते रहिए। जय हिंद।

टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने के बाद घर लौटी पीवी सिंधू का हुआ भव्य स्वागत

हैदराबाद : ओलंपिक खेलों में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी पीवी सिंधू का बुधवार को यहां गृहनगर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। मौजूदा विश्व चैम्पियन सिंधू ने तोक्यो खेलों में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने पांच साल पहले रियो ओलंपिक में रजत पदक हासिल किया था। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उनका स्वागत खेल मंत्री वी श्रीनिवास गौड़ और अन्य अधिकारियों ने किया। गौड़ ने सिंधू, उनके माता-पिता और अन्य को सम्मानित करते हुए कहा कि इस बैडमिंटन खिलाड़ी को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना चाहिए। उन्होंने कहा, 'सिंधु ने अपनी उपलब्धियों से देश और तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के तेलगु बोलने वाले राज्यों को गौरवान्वित किया है। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने मंत्री का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने उनका काफी सहयोग किया है। उन्होंने राज्य सरकार का भी शुक्रिया किया जिसने उन्हें तोक्यो ओलंपिक की तैयारियों के लिए गाचीबाउली इंडोर स्टेडियम में ट्रेनिंग करने दी और उम्मीद जताई कि वह भविष्य में कई और पदक जीतेंगी।

ओलंपिक (महिला हॉकी) : भारत को सेमीफाइनल में मिली हार, अब कांस्य की उम्मीद

टोक्यो।

अर्जेंटीना ने यहां जारी टोक्यो ओलंपिक के सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय महिला हॉकी टीम को 2-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि भारत का स्वर्ण पदक मुकाबले में पहुंचने का सपना टूट गया।भारतीय टीम ने इस मुकाबले की बेहतर शुरूआत की और गुरजीत कौर ने पहले क्वार्टर के दूसरे मिनट में ही गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। गुरजीत के गोल करते ही भारतीय खेमे में खुशी की लहर दौड़ पड़ी और ऐसा लगा मानो टीम आज इतिहास रच देगी। हालांकि, दूसरे क्वार्टर में अर्जेंटीना ने वापसी की और कप्तान मारिया नोएल बारिओनुएवो ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। दूसरे क्वार्टर में स्कोर बराबर रहने के बाद तीसरे क्वार्टर में फिर मारिया ने गोल कर टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी। चौथे क्वार्टर में जहां अर्जेंटीना ने बढ़त बनाए रखने की कोशिश की तो वहीं भारतीय टीम ने आगे निकलने की तमाम कोशिश की। निर्धारित समय तक हालांकि, भारतीय टीम अन्य गोल नहीं कर सकी और उसका फाइनल में जाने का सपना टूट गया। भारतीय महिला टीम भले ही फाइनल में नहीं पहुंच सकी, लेकिन उसके पास कांस्य पदक जीतने का मौका अभी शेष है।कांस्य पदक के लिए उसका सामना अब शुक्रवार को ग्रेट ब्रिटेन से होगा जिसे एक अन्य सेमीफाइनल मैच में नीदरलैंड से 1-5 से हार का सामना करना पड़ा जबकि अर्जेंटीना का स्वर्ण पदक मुकाबले में सामना नीदरलैंड से होगा।

संक्षिप्त समाचार

कठिन हालातों से निकलकर ओलंपिक तक पहुंची पहलवान सीमा बिसला

रोहतक। टोक्यो ओलंपिक में फ्री स्टाइल कुश्ती के 50 किलोग्राम भार वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही महिला पहलवान सीमा बिसला का यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा है। सीमा के पिता कैंसर से पीड़ित हैं। सीमा को उनकी बड़ी बहन और जीजा ने ही खेल में आने के लिए प्रेरित किया। बढ़ती उम्र के साथ सीमा का कुश्ती के लिए जुनून भी बढ़ता गया। साल 2004 से सीमा ने अपने खेल की शुरुआत कर अधिकतर सभी मुकाबलों में पदक जीते। सीमा ने कॉमनवेल्थ और नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। वहीं विश्व ओलंपिक क्वालीफायर्स में भी पहला स्थान हासिल किया है। इस सफर के दौरान वह एक बार चोटिल भी हुईं थीं पर रुकीं नहीं। सीमा की बहन उनके आहार का पूरा ध्यान रखती है जिससे वह फिट बनी रहे। सीमा का कुश्ती के प्रति जुनून इस कदर था कि अपने भाई की शादी में भी न जाकर वह पुणे के कैंप में अभ्यास करने गयी। ओलंपिक तक पहुंचने के लिए सीमा ने ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार ने संघर्ष के साथ-साथ कई त्याग किए हैं। अब पूरे परिवार को उम्मीद है कि वह ओलंपिक में पदक जरुर जीतेगी।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने वापसी से पहले मचाया हंगामा

टोक्यो। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने ओलंपिक खेल गांव से वापसी के पहले शर्मनाक हरकत की है। इन खिलाड़ियों ने जमकर हंगामा करते हुए अपने कमरों में लगे पलंग तक तोड़ दिये। इसके साथ ही दीवारों में भी उन्होंने छेद कर दिये। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम के प्रमुख इयान चेस्टरमैन ने कहा है खिलाड़ियों ने अपने इस व्यवहार के लिए पहले ही माफी मांग ली है। इसलिए किसी भी प्रकार की अनुशासनात्मक कार्रवाही नहीं होगी। साथ ही कहा कि नुकसान काफी %छोटा% था और %कार्डबोर्ड के पलंगों को तोड़ना कोई बड़ा अपराध नहीं है।% चैस्टरमैन ने हालांकि उन खिलाड़ियों के नाम नहीं बताए हैं जिन्होंने इस प्रकार की हरकत की। वहीं ऑस्ट्रेलियाई ओलिंपिक कमिटी के अनुसार नैशनल गर्वनिंग बॉडी ऑफ फुटबॉल एंड रग्बी यूनियन ने सिडनी लौटी उड़ान में खिलाड़ियों की अभद्रता की जांच की है। चेस्टरमैन ने कहा, %कुछ खिलाड़ियों ने अनजाने में गलतियां कीं हैं। उन्होंने कमरे में जो कुछ किया वह उन्हें नहीं करना चाहिए था।% ऑस्ट्रेलिया के रग्बी और फुटबॉल खिलाड़ियों ने सिडनी लौटने वाली उड़ान में भी शराब पीकर हंगामा किया जिसकी चेस्टरमैन ने निंदा की है। चेस्टरमैन ने कहा कि इन खिलाड़ियों ने वापसी की उड़ान में खराब बर्ताव किया और स्टाफ की बात नहीं मानी। साथ ही कहा कि रग्बी और फुटबॉल इन खिलाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

टोक्यो में राष्ट्रीय कोच की मदद न लेने पर मनिका बत्रा को कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली।

भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) ने टोक्यो ओलंपिक के दौरान राष्ट्रीय कोच सौम्यदीप राय की मदद लेने से इन्कार करने के लिये मनिका बत्रा को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्णय किया है। मनिका के कोच सन्मय परांजपे को टोक्यो में अभ्यास सत्र में आने की अनुमति दी गई थी लेकिन उन्हें स्टेडियम में आने की अनुमति नहीं मिली थी और इस संबंध में किया गया आग्रह नामंजूर कर दिया गया था। इसके विरोध में मनिका ने एकल मैचों के दौरान टीम के कोच राय से मदद लेने से इन्कार कर दिया था। उन्होंने तीसरे दौर में पहुंचकर इतिहास रचा था। टीटीएफआई के महासचिव अरुण बनर्जी ने कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद कहा कि टोक्यो के लिए रवाना होने से पहले वह अच्छी तरह से जानती थी कि उसके निजी कोच को खेल के दौरान स्टेडियम में आने की अनुमति नहीं है। इसलिए उसे उस तरह से व्यवहार नहीं करना चाहिए था जैसा उसने किया। हम कल उसे नोटिस जारी करेंगे और मनिका के पास जवाब देन के लिए 10 दिन का समय होगा। उसके आधार पर ही हम आगे की कार्रवाई पर निर्णय करेंगे।बैठक में यह भी फैसला किया गया कि यदि खिलाड़ी फिट और उपलब्ध हैं तो उन्हें राष्ट्रीय शिविर में भाग लेना होगा। मनिका ने तीन सप्ताह के ओलंपिक शिविर के दौरान केवल तीन दिन भाग लिया जबकि जी साथियान ने चेन्नई में अपने निजी कोच के साथ अभ्यास करने को प्राथमिकता दी थी।

रवि दहिया ओलंपिक फाइनल में, स्वर्ण से एक कदम दूर

चीबा ।

रवि दहिया ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे पहलवान बन गए जिन्होंने 57 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में कजाखस्तान के नूरइस्लाम सानायेव को हराया। चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय 2.9 से पीछे था लेकिन दहिया ने वापसी करते हुए अपने विरोधी के दोनों पैरों पर हमला किया और उसके गिरने से जीतने में कामयाब रहे। इससे पहले सुशील कुमार ने 2012 लंदन ओलंपिक में फाइनल में जगह बनाकर रजत पदक जीता था। दहिया ने इससे पहले दोनों मुकाबले तकनीकी दक्षता के आधार पर जीते थे। के डी जाधव भारत को कुश्ती में पदक दिलाने वाले पहले पहलवान थे जिन्होंने 1952 के हेलसिंकी ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। उसके बाद सुशील ने बीजिंग में कांस्य और लंदन में रजत पदक हासिल किया। सुशील ओलंपिक में दो व्यक्तिगत स्पर्धा के पदक जीतने वाले अकेले भारतीय थे लेकिन बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू ने कांस्य जीतकर बराबरी की। लंदन ओलंपिक में योगेश्वर दत्त ने भी कांस्य पदक जीता था। वहीं साक्षी मलिक ने रियो ओलंपिक 2016 में कांस्य पदक हासिल किया था।

जॉर्जिया के वेटलिफ्टर तालाखाद्जे ने टोक्यो ओलंपिक में बनाया रिकार्ड, उठाया इतने किलो वजन

टोक्यो :

जार्जिया के भारोत्तोलक लाशा तालाखाद्जे ने टोक्यो ओलंपिक के सुपर हेवीवेट वर्ग की स्नैच स्पर्धा में 223 किग्रा का वजन उठाकर विश्व रिकार्ड बनाया। तालाखाद्जे ने 109 किग्रा से अधिक वजन वर्ग में यह रिकार्ड भार उठाने में बिलकुल सहज दिख रहे थे। उन्हें लगातार तीन बार यह वजन उठाना था क्योंकि उन्होंने अपने 'शुरूआती वजन में अपने प्रतिद्वंद्वियों द्वारा प्रयास किये गये वजन से कहीं अधिक वजन लिया था।

कबड्डी को ओलंपिक खेल के रूप में मान्यता प्राप्त होते देखना अभी भी हमारा सपना है - अजय ठाकुर

जयपुर।

पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार विजेता 35 वर्षीय अजय ठाकुर ने स्पोर्ट्सटाइगर की विशेष इंटरव्यू सीरीज मिशन गोल्ड पर अपनी खेल यात्रा के बारे में बात करते हुए बताया कि वह अभी भी ओलंपिक में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए आशान्वित हैं। भारतीय कबड्डी कप्तान खेल के माहौल में ही बड़े हुए और वह जानते थे कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने का अपने पिता के सपने को पूरा करना है। अजय ने कहा, कबड्डी को मेरे जन्म से पहले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल चुकी थी और मेरे पिताजी स्पोर्ट्स कल्चर के बारे में जानते थे। जैसा कि आप जिस स्तर पर खेलते हैं, उसके अनुसार नौकरी का कोटा तय किया गया था। हम एक मध्यम वर्गीय परिवार से ताल्लुक रखते थे और अच्छी और सुरक्षित नौकरी पाना हमारे लिए सपना था। अत- मैंने खेल कोटे से नौकरी पाने के लिए खेलना शुरू किया। उन्होंने कहा, इस यात्रा के दौरान कबड्डी के लिए मेरा जुनून इतना बढ़ गया कि मैं सिर्फ खेल खेलना चाहता था। मुझे भारतीय सेना, ओएनजीसी और अन्य से नौकरी के प्रस्ताव मिले लेकिन मैंने उन्हें अस्वीकार कर दिया क्योंकि मैं कबड्डी में उस स्तर तक पहुंचना चाहता था जहां मैं अर्जुन पुरस्कार विजेता बन सकूं।

प्रो-कबड्डी लीग पहले सीजन से ही काफी हिट रही और 2016 कबड्डी विश्व कप विजेता प्रो-कबड्डी लीग की प्रशंसा करते हुए पीछे नहीं हटे क्योंकि इस लीग ने खेल के साथ-साथ खिलाड़ियों को भी पहचान दिलाने में सहायता की है। इसके बारे में उन्होंने कहा, कबड्डी का जो मानक हम आज जानते हैं और जिन खिलाड़ियों को आज दुनियाभर में पहचाना जाता है यह प्रो-कबड्डी लीग के कारण ही संभव हो पाया है। हम प्रो-कबड्डी लीग से पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी खेलते थे और लोग हमारे और खेल के बारे में पूरी तरह से अनजान थे लेकिन अब हम देश के किसी भी कोने में जाते हैं तो लोग हमें पहचान लेते हैं और यह लीग की वजह से है। उन्होंने आगे कहा, प्रो-कबड्डी लीग के जरिए खिलाड़ियों को कई मौके मिलते हैं। लेकिन पहले लोग कबड्डी को एक स्थानीय खेल के रूप में लेते थे, लेकिन अब लोग हमें प्रो-कबड्डी लीग में खेलने के लिए कहते हैं क्योंकि वे हमें इतने बड़े स्तर पर खेलते हुए देखना पसंद करते हैं और जानते हैं कि जो भी प्रो-कबड्डी लीग खेलता है वह एक शीर्ष श्रेणी का कबड्डी खिलाड़ी है।अजय ने कहा, जिम बंद होने से हमारी फिटनेस पर बहुत प्रभाव पड़ा, मैदान भी बंद थे और एक खिलाड़ी के लिए यह सबसे बड़ी समस्या थी। हमारा भोजन आमतौर पर बहुत भारी होता है और हममें से अधिकांश खिलाड़ियों का वजन बढ़ गया। मैं अपनी पुलिस ड्यूटी पर था और इस दौरान में फ्रंट लाइन पर था, जिसे संभालना थोड़ा मुश्किल था।

कोहली ने दिये संकेत: इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट खेल सकते हैं ठाकुर

नॉटिंघम । तेज गेंदबाजी ऑलराउंडरों की कमी का सामना कर रहा भारत इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से यहां शुरू हो रहे पहले टेस्ट में तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर को मौका दे सकता है। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने संकेत दिया है। ठाकुर ने बल्ले और गेंद दोनों से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी - सात विकेट लेने और 67 रन बनाकर - भारत को ब्रिस्बेन में चौथा और अंतिम टेस्ट जीतने में मदद करने के लिए श्रृंखला 2-1 से सील करने में मदद की। भारत को हार्दिक पांड्या की कमी खल रही है जो अभी टेस्ट मैचों में गेंदबाजी करने के लिए फिट नहीं हैं। पांड्या सीमित ओवरों की टीम का हिस्सा रहे हैं। कोहली ने पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर एक वर्चअल मीडिया बातचीत में कहा, हां, वह निश्चित रूप से (एक ऑलराउंडर में बनाया गया) हो सकता है। वह पहले से ही एक बहु-आयामी क्रिकेटर है और यह उसके बारे में ब्रिस्बेन जैसे प्रदर्शनों के साथ अधिक से अधिक आत्मविश्वास प्राप्त करने के बारे में है। उसके जैसा कोई स्पष्ट रूप से टेस्ट टीम या खेल के किसी अन्य प्रारूप में अधिक संतुलन बहुत कुछ लाता है। कोहली ने कहा कि पंड्या और ठाकुर जैसे बल्लेबाज जो गेंद और बल्ले से अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं, टीम को जीत दिलाने में काफी मदद करते हैं। भारत के कप्तान ने कहा, हार्दिक ने अतीत में हमारे लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। अभी वह वापस पटरी पर आ रहा है। लेकिन हां, इस प्रकार के क्रिकेटर निश्चित रूप से टीम की बड़े पैमाने पर मदद करते हैं। शार्दुल हमारे लिए एक बड़ी संभावना है और कोई ऐसा व्यक्ति है जो बनने जा रहा है न केवल श्रृंखला में बल्कि आगे बढ़ना भी बहुत महत्वपूर्ण है। भारत के पास इंग्लैंड की तरह तेज गेंदबाजी करने वाले ऑलराउंडर नहीं हैं। भारत के पूर्व ऑलराउंडर मदन लाल और मनोज प्रभाकर ने हाल ही में आईएएनएस को बताया कि एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर इंग्लैंड में टीम को बढ़त देता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऐतिहासिक प्राचीन पवित्र शिवपुरी

शिवपुरी में बने महल और झीलें यहां आने वाले पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र हैं. मध्य प्रदेश के शिवपुरी की प्राकृतिक सुंदरता देखते ही बनती है. यहां पर चलने वाली हवा आपको तरो–ताजा कर देगी। एक जमाने में ये जगह ग्वालियर के सिंधिया वंश की समर कैपिटल थी. वे यहां गर्मियों के दिनों में आराम फरमाने के लिए आया करते थे।कहा जाता है कि यहां के घने जंगलों में मुगल सम्राट शिकार के लिए आते थे। अकबर ने यहीं से हाथियों के विशाल झुंड और शेरों को पकड़ा था।

समुद्रतल से 1515 फुट ऊपर भारत के मध्य प्रदेश में घने जंगलों का जिला हैं शिवपुरी। यह बहुत ही प्राचीन और पवित्र जगह है। प्राचीन समय में इसे सिपरी कहते थे। आजादी के बाद भगवान शिव के सम्मान में इस जगह का नाम शिवपुरी पड़ा। इस जगह का अपना शाही इतिहास है। यह जगह कभी ग्वालियर के शासक सिंधिया की ग्रीष्मकालीन राजधानी हुआ करती थी। इसके पहले यहां के घने जंगलों में मुगल शासक शिकार किया करते थे। 1564 में मांडू से लौटते समय अकबर ने इन्हीं जंगलों में हाथी के झुंड का शिकार किया था। यहां के घने जंगल अब एक मिथक नहीं रह गए है बल्कि यहां आज भी घने जंगल पाएं जाते है जो शिवपुरी के पर्यटन को बढ़ावा देते है। यहां का कारेरा पक्षी अभयारण्य और माधव राष्ट्रीय पार्क, शिवपुरी में आने वाले पर्यटकों के लिए उत्तम जगह है जहां वह प्रकृति और शांति के अद्भुत सह - अस्तित्व को देख सकते है।

शिवपुरी का इतिहास काफी लंबा और पुराना है जो वाकई में बेहद रंगीन है। लगभग सत्रहवीं शताब्दी में शिवपुरी कच्छ राजाओं को जागीर के रूप में मिली। फरवरी 1781 में सिंधिया राजा युद्ध हार गए और यहां ब्रिटिश शासकों का कब्जा हो गया। 1804 में यह जगह फिर से सिंधिया राजाओं को मिली। तात्या टोपे को 1857 की लड़ाई में झांसी की रानी का साथ देने के लिए फांसी की सजा सुनाई गई। उन्हें शिवपुरी में ही फांसी दी गई थी। यह जगह आज भी यहां के नजदीकी कलेक्टरेट के पास है।

शिवपुरी को शाही परिवार की ग्रीष्मकालीन राजधानी कहा जाता है। शिवपुरी में कई महल व किले और मंदिर है जिनमें नरवार किला, माधव विलास पैलेस और महुआ शिव मंदिर आदि काफी प्रसिद्ध है। इसमें कोई शक नहीं है कि शिवपुरी एक शानदार पर्यटन स्थल है, यहां आत्मनिर्भर उद्योग द्वारा निर्मित शानदार स्मारक, राष्ट्रीय पार्क और पक्षी विहार स्थित है जो पर्यटकों को शिवपुरी की सैर के लिए मजबूर कर देते है।

मध्य प्रदेश के इस प्रसिद्ध जिले में देखने के लिए शानदार शाही महल हैं। शिकार करने के लिए लॉज और सिंधिया शासकों के बनाए गए बेहतरीन स्थल यहां के मुख्य आकर्षण हैं। मार्बल से बने खूबसूरत स्मारक भी देखे जा सकते हैं। 1911 में जार्ज किला जियाजी राव सिंधिया ने बनवाया था। माधव नेशनल पार्क के साथ ऊंचाई पर बना किला जार्ज वी बाघों के शिकार के लिए इस्तेमाल किया जाता था। ढलते सूरज के समय इस किले से पहाड़ी के नीचे के आसपास का नजारा और झील का नजारा अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।

शिवपुरी मुख्य रूप से यहां स्थित शिव मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। यहां आप मन की शांति पा सकते हैं। योग और मेडिटेशन के लिए शिवपुरी बेहतर विकल्प है। साथ ही यहां पर बहती गंगा नदी में कई साहसिक खेलों का आयोजन किया जाता है। जैसे रिवर राफ्टिंग, बीच कैम्पिंग। साथ में जंगल वॉक, माउंटेनेयरिंग और जंगल ट्रेकिंग का भी मजा लिया जा सकता है। शिवपुरी जाने का सही समय है सितम्बर से मई तक। यह सड़क और रेल यातायात से जुड़ा है।

शिवपुरी में स्थित माधव राष्ट्रीय पार्क एक सुंदर भूमि है जहां समृद्ध जैव विविधता है और एक शांत झील के चारों ओर रोलिंग पहाडियां स्थित है, यहां स्थित घास के मैदान वातावरण को हरा - भरा बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ते है। 157.58 वर्ग किलोमीटर में फैले इस नेशनल पार्क में चिंकारा, चीतल, चौसिंहा, सांभर, ब्लैकबक, स्लोथबीयर, लंगूर और तेंदुआ जैसे जानवर देखने को मिलते हैं। यहां का सफर रोमांच से भरा होता है।

शिवपुरी राष्ट्रीय पार्क तक ही सीमित नहीं रह गया है यहां सख्या सागर झील, बूरा खोन झरना, पावा झरना और सौन चिरैया बर्ड सेंचुरी भी स्थित हैं जहां प्रकृति की गोद में स्थित सुंदर माहौल को देखा जा सकता है। शिवपुरी, पर्यटकों को शहरी कंक्रीट के जंगल से दूर प्रकृति के सानिध्य में समय गुजारने का अमूल्य वातावरण प्रदान करता है।

अतिशय दिगंबर जैन क्षेत्र पचराई

शिवपुरी जिले के खनियाधाना से ईसागढ. मार्ग पर मात्र 16 कि.मी. दूर अतिशय दिगंबर जैन क्षेत्र पचराई विद्यमान है। मध्य रेलवे लाइन के बसई स्टेशन से 48 कि.मी. दूर बस बस द्वारा पचराई पहुँचा जा सकता है। शिवपुरी से रन्नौद होकर 75 कि.मी. की दूरी तय कर भी पचराई पहुँचते हैं। पचराई की शिल्पकला 11वीं शताब्दी का है। अनेक शिलालेख वि.सं. 1122,1210,1345 के भी उपलब्ध हैं।

पचराई जैन क्षेत्र एक अहाते में परकोटा से आवृत्त 28 जिनालयों का समूह है। मुख्य मंदिर शीतलनाथ स्वामी का है जिसमें खडगासन, 12 फुट की अवगाहना पर देशी पाषाण कृत तीर्थकर शीतलनाथ जी वंदनीय हैं। अनेक मूर्तियों में 453 अभी भी अखंडित दर्शनीय हैं। कतिपय मूर्तियों पर किया गया हीरे का पालिस उनके सौंदर्य को चमकदार बनाये हुये हैं। 1200 वर्ष प्राचीन यह क्षेत्र जर्जर हो रहा है हालाँकि सन् 1965 में साहू जैन ट्रस्ट द्वारा इसका जीर्णोधार कराया जा चुका है। यहाँ का निर्माता भी पाणाशाह को माना जाता है। इस क्षेत्र पर धर्मशाला,बावडी और उदासीन आश्रम भी हैं।

शिवपुरी का मौसम

शिवपुरी की सैर का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के दौरान होता है। वैसे यहां साल के सभी मौसम में पर्यटक भ्रमण कर सकते है। लेकिन सुखद सैर के लिए हल्की सर्दी के बाद से आया जा सकता है।

खोखही मठ ऑफ रन्नौद

शिवपुरी में अधिकांश मंदिर भगवान शिव को समर्पित है लेकिन खोखही मठ ऑफ रन्नौड इस क्षेत्र में बने मंदिरों में से थोड़ा अलग है जो घने जंगलों के बीच स्थित है। कई सालों से भक्त इस मठ में दर्शन करने आते रहते है। एक लम्बे समय से मठ इस क्षेत्र में पर्यटन का केंद्र बना हुआ है।

खोखही मठ ऑफ रन्नौड, शिवपुरी के आसपास के क्षेत्र का एक प्राचीन मंदिर है। हिंदुओं के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विश्वासों के अनुसार, यह मठ धार्मिक महत्व रखता है जो कुछ प्राचीन पूजा स्थलों और स्थानों के संरक्षण के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। यह मंदिर 6 वीं या 7 वीं सदी में बना हुआ है लेकिन आज 20 वीं सदी में यहां आने भक्तों की श्रृद्धा में कोई कमी नहीं है, यहां आने श्रृद्धालुओं ने इस मंदिर के प्रताप को बरकारार रखा है।

भक्तों की अटूट श्रृंखला अभी भी मंदिर को लेकर बनी हुई है। इस मंदिर के आसपास महुआ मंदिर, टेराही मंदिर और सिद्देश्वर मंदिर स्थित है, यह सभी मंदिर उस दौरान के बने हुए है जब यहां की भूमि पर राजा और राज्यों के शासकों का बोलबाला था। उसी युग में रन्नौड के खोखही मठ का भी निर्माण किया गया था, यह मठ शिवपुरी के बाहरी क्षेत्र में शहर से 65 किमी. की दूरी पर स्थित है।

मटका मेला

शिवपुरी के प्राचीन राजेश्वरी माता मंदिर में चैत्र नवरात्री के अवसर पर आयोजित होने वाले मटकों के प्रसिद्ध मेले में अब भी भारी भीड़ जुटती है और इसमें मटके या मिट्टी से निर्मित बर्तन खरीदना आज भी शुभ माना जाता है।

इस मेले में शिवपुरी और आसपास के शहरों, नगरों के लोग बेहद श्रद्धा के साथ आते हैं और माता के दरबार में दर्शन व पूजा-अर्चना के बाद मिट्टी से निर्मित वस्तु जरूर खरीदने का प्रयास करते हैं। मेले के लिए नवरात्रि की छठ से ही दुकानें सजना प्रारंभ हो जाती हैं। मेले में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा सीमावर्ती उत्तरप्रदेश के झांसी जिले से भी मिट्टी के कलात्मक मटके-बर्तन और खिलौने लेकर आते हैं। इन कलात्मक वस्तुओं को खरीददार काफी पसंद करते हैं। मेले में मटकों और सुराही के अलावा मिट्टी के तवे (करीला), बच्चों की गुल्लकों, चक्की तथा अन्य खिलौनों की खूब मांग रहती है।

कैसे जाएं-

वायु मार्ग- शिवपुरी का निकटतम एयरपोर्ट ग्वालियर में है। ये एयरपोर्ट शिवपुरी से लगभग 117 किलोमीटर की दूरी पर है।

रेल मार्ग- झांसी और ग्वालियर शिवपुरी के नजदीकी रेलवे स्टेशन हैं।

सड़क मार्ग- आगरा, ग्वालियर, झांसी, भोपाल, इंदौर, उज्जन आदि शहरों से यहां के लिए नियमित रूप से बसें चलती रहती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

कनाडा के सबसे बड़े ऑटो डीलर अजय दिलावरी सम्मानित

वैंकूवर। इंडो-कैनेडियन अजय दिलावरी, जिनका दिलावरी ग्रुप कनाडा में सबसे बड़ा ऑटो डीलर है, उनको ऑर्डर ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया से सम्मानित किया गया है। अजय दिलावरी और उनके दो भाइयों के स्वामित्व वाले दिलावरी ग्रुप के पास कनाडा के पांच प्रांतों में 76 डीलरशिप हैं। भारत से प्रवास करने के बाद, परिवार ने 1985 में ऑटो व्यवसाय शुरू किया। आज, समूह कनाडा का शीर्ष ऑटो डीलर है, जो 35 ब्रांड बेचता है और लगभग 4,000 कर्मचारियों को रोजगार देता है। उन्हें सर्वोच्च प्रांतीय सम्मान प्रदान करते हुए, ब्रिटिश कोलंबियाई सरकार के उद्धरण में कहा गया है कि अजय दिलावरी एक प्रमुख उद्यमी हैं, जिनकी दूरदृष्टि, दृढ़ता, नेतृत्व और सामाजिक विवेक हमारे प्रांत में कई लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए जारी है। उन्होंने एक महत्वपूर्ण कार्य किया है। जिसका पूरे ब्रिटिश कोलंबिया में दूरगामी प्रभाव पड़ा। प्रशस्ति पत्र में कहा गया है कि अजय और उनके भाई कप और टोनी दिलावरी समूह के संस्थापक हैं, कनाडा में सबसे बड़ा ऑटोमोटिव समूह, जिसमें 4,000 से अधिक कर्मचारी हैं और पूरे कनाडा में 76 ऑटोमोटिव डीलरशिप हैं। अकेले बीसी में 24 डीलरशिप के साथ, वह अधिक का समर्थन करता है। विद्युत वाहन विकास में उनका महत्वपूर्ण निवेश भी जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने में मदद कर रहा है और एक हरित अर्थव्यवस्था में योगदान देता है। दिलावरी भाइयों की सफलता काफी हद तक अपने माता-पिता से एक मजबूत कार्य नैतिकता सीखने पर आधारित है, जो भारत से कनाडा आकर बस गए। वे अपनी परवरिश को नहीं भूले हैं और न केवल वित्तीय सफलता के लिए, बल्कि पर्याप्त पूंजी उत्पन्न करने के लिए व्यवसाय का निर्माण किया है।

यूएई के जहाज के संभावित अपहरण की कोशिश नाकाम : रिपोर्ट

मस्कट। ब्रिटेन की एक समुद्री सुरक्षा एजेंसी ने कहा है कि पनामा-ध्वज वाले एमवी डामर प्रिंसेस के संभावित अपहरण की कोशिश उस समय विफल हो गई, जब ओमान की खाड़ी में जहाज पर सवार होने और जब्त करने वाले लोगों ने जहाज छोड़ दिया था। अधिकारियों ने कहा कि बोर्ड पर शेष सभी लोग सुरक्षित हैं। हालांकि, बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, मीडिया को इस बारे में और कोई जानकारी नहीं दी गई है। बिटुमेन से लदे टैंकर को मंगलवार को होर्मुज जलडमरूमध्य के भीड़भाड़ वाले रास्ते में जाते हुए जब्त कर लिया गया। यह स्पष्ट नहीं है कि जहाज को किसने जब्त किया, लेकिन विश्लेषकों को ईरानी सुरक्षा बलों पर संदेह था। हालांकि, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्डस ने तेहरान के खिलाफ शत्रुतापूर्ण कार्रवाई के बहाने संभावित संलिप्तता की रिपोर्टों को खारिज कर दिया। एमवी डामर प्रिंसेस में सवार लोग कथित तौर पर हथियारों से लैस थे और कहा जाता है कि उन्होंने जहाज को ईरान की ओर ले चलने का आदेश दिया था। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने शुरू में एक संभावित अपहरण की घोषणा करने से पहले जहाजों को एक घटना की चेतावनी दी थी। बुधवार को यूकेएमटीओ ने ट्वीट किया कि जो लोग जहाज पर चढ़े थे वे चले गए, उन्होंने कहा, जहाज सुरक्षित है। यह घटना एक हफ्ते से भी कम समय में हुई जब एक इजरायली स्वामित्व वाली कंपनी द्वारा संचालित एक तेल टैंकर पर ओमान के एक ड्रोन द्वारा हमला किया गया था, जिसमें दो सुरक्षा गार्ड मारे गए थे - इसमें एक ब्रिटिश और दूसरा रोमानियाई मूल का था। अमेरिका, ब्रिटेन और इजरायल ने हमले के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया था, हालांकि इस दावे का उसे दृढ़ता से खंडन किया था।

लद्दाख में गोगरा से सैनिकों की वापसी पर विचार कर रहे भारत, चीन

नई दिल्ली। भारत और चीन अगले कुछ दिनों में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गोगरा में एक फ्रिक्शन प्वाइंट से सैनिकों को वापस बुलाने के प्रस्ताव पर काम कर रहे हैं। यह जारी सीमा संकट को हल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। गोगरा में पेट्रोलिंग प्वाइंट (पीपी) 17ए से सैनिकों की वापसी पर अंतिम निर्णय सैन्य और राजनयिक पदानुक्रम के शीर्ष अधिकारियों द्वारा लिया जाएगा। दोनों देश 31 जुलाई को कॉर्प कमांडर-स्तरीय बैठक के 12 दौर के दौरान सुझाई गई अंतरिम व्यवस्थाओं का भी मूल्यांकन कर रहे हैं। भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की बैठक के 12वें दौर के संयुक्त बयान में कहा गया कि दोनों पक्ष इस बात पर भी सहमत हुए कि वे पश्चिमी सेक्टर में एलएसी पर स्थिरता सुनिश्चित करने और संयुक्त रूप से शांति बनाए रखने के अपने प्रभावी प्रयास जारी रखेंगे। 31 जुलाई को भारत और चीन के सैन्य प्रतिनिधियो ने लद्दाख क्षेत्र के मोल्दो में सीमा संकट को हल करने के लिए लगभग नौ घंटे तक विचार-विमर्श किया। भारतीय सेना ने कहा कि बैठक का यह दौर 14 जुलाई को दुशांबे में भारत और चीन के विदेश मंत्रियों की बैठक और भारत-चीन सीमा मामलों (डब्लूएमसीसी) पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र की 22वीं बैठक के बाद आयोजित किया गया था।

सैन्य संबंधों को बढ़ाने इजरायल पहुंचे भारतीय वायु सेना प्रमुख

नई दिल्ली, । भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर.के.एस. भदौरिया इजरायल पहुंचे। इस दौरे का मकसद दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग बढ़ाना है। इजराइल में, एयर चीफ मार्शल भदौरिया और उनके समकक्ष मेजर जनरल अमीकम नॉर्किन, कमांडर इजराइल वायु सेना, दोनों देशों के बीच सैन्य संबंधों और सहयोग पर चर्चा करेंगे। भारतीय वायु सेना ने एक बयान में कहा, रणनीतिक भागीदारों के रूप में, भारत और इजराइल के बीच मजबूत, बहु-आयामी संबंध है, जिसका एक महत्वपूर्ण स्तंभ रक्षा सहयोग और सैन्य स्तर का आदान-प्रदान है। दोनों पक्ष दोनों वायु सेनाओं के बीच द्विपक्षीय आदान-प्रदान में वृद्धि पर चर्चा करेंगे। इजराइल की अपनी यात्रा से पहले, एयर चीफ मार्शल भदौरिया ने 1 अगस्त को मेजर जनरल इब्राहिम नासिर एम. अल अलावी, कमांडर यूएई वायु सेना और वायु रक्षा (यूएई एएफ और एडी) से मुलाकात की थी। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों में तेजी से हुई प्रगति को नोट किया और दोनों वायु सेनाओं के बीच मजबूत संबंधों को और मजबूत करने के उपायों की पहचान करने के लिए व्यापक बातचीत की।

भारत जैसे देशों को टीका उत्पादन में सक्षम बनाने की कोशिश कर रहे हैं: बाइडन

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

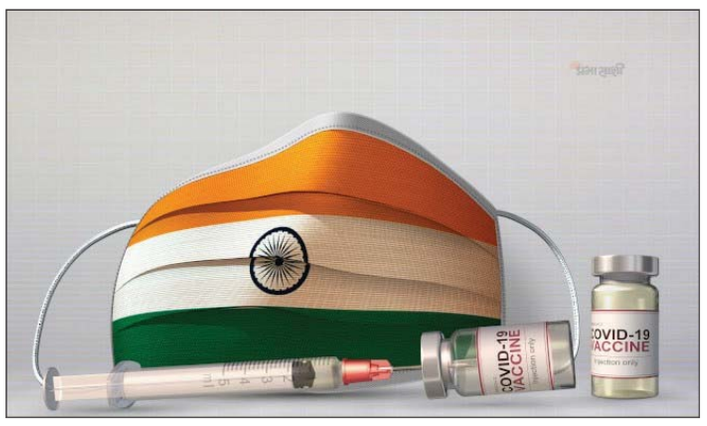

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि वह भारत और अन्य देशों को कोविड-19 रोधी टीकों के निर्माण में समक्ष बनाने के लिए उनकी मदद करने का प्रयास कर रहे हैं। व्हाइट हाउस में मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बाइडन ने कहा कि विश्व में टीकों की कई अरब खुराकों की जरूरत है और अमेरिका करीब आधा अरब (50 करोड़) खुराक उपलब्ध कराने को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, '' हम टीकों की आधा अरब खुराक उपलब्ध कराने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। हम भारत जैसे देशों को स्वयं टीका उत्पादन में सक्षम बनाने की कोशिश कर रहे हैं.... हम इस काम में उनकी मदद कर रहे हैं।

इस समय हम यही कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम कोशिश कर रहे हैं और इसके लिए किसी से किसी भी तरह का भुगतान नहीं लिया जा रहा। हम जितना हो सकता है उतना करने की कोशिश कर रहे हैं।'' बाइडन ने कहा कि कोविड-19 से निपटने की इस लड़ाई में अमेरिका ''हथियार रूपी टीकों का भंडार'' बनने को तैयार है, उसी तरह जिस तरह से वह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान लोकतंत्र का शस्त्रागार था। उन्होंने कहा, '' हम प्रतिबद्धता पर कायम हैं। हमने दुनिया भर में कोविड-19 टीके देने के सामूहिक वैश्विक प्रयास के लिए शुरू की गई 'कोवैक्स' पहल में किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक योगदान दिया है। हमने जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया के साथ अपनी क्वाड साझेदारी के माध्यम से अन्य देशों में टीकों विनिर्माण प्रयासों का समर्थन किया है।'' बाइडन ने कहा कि जून में अपनी यूरोप यात्रा के दौरान उन्होंने घोषणा की थी कि अमेरिका 'फाइज़र' के टीके की 50 करोड़ खुराक खरीदेगा और उसे लगभग सौ निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों को दान देगा।

इन खुराकों को महीने के अंत में भेजना शुरू किया जाएगा। बाइडन ने कहा, '' हमने अपनी आठ करोड़ खुराक भी दुनिया को दान देने की घोषणा की थी, जिसका आवंटन शुरू भी हो गया है।'' अमेरिकी विश्वविद्यालय 'जॉनसन होपकिन्स' के अनुसार, दुनिया में कोविड-19 के मामले 19.9 करोड़ के पार चले गए हैं और संक्रमण से 42.5 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई है। भारत में अभी तक कोविड-19 के 3,17,69,132 मामले सामने आए हैं और संक्रमण से 4,25,757 लोगों की मौत हुई है।

बिल मिलिंडा फ्रेंच गेट्स का हो गया तलाक, जानें संपत्ति में किसको क्या मिला?

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

सिएटल (अमेरिका)। बिल गेट्स और मेलिंडा फ्रेंच गेट्स ने तलाक को अंतिम रूप दे दिया है। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स और उनकी पत्नी ने मई में घोषणा की थी कि वे अपनी 27 साल की शादी को समाप्त कर रहे हैं। किंग काउंटी सुपीरियर कोर्ट के न्यायाधीश ने तलाक के आदेश पर सोमवार को हस्ताक्षर कर दिया। 'न्यूयॉर्क टाइम्स' के मुताबिक अदालत के दस्तावेज में इसका ब्योरा नहीं है कि उन्होंने संपत्ति का बंटवारा किस तरह किया है।

बिल गेट्स पूर्व में दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति थे और उनकी संपत्ति लगभग 150 अरब डॉलर आंकी गई है। वर्ष 1987 में माइक्रोसॉफ्ट में एक उत्पाद प्रबंधक के रूप में मेलिंडा ने काम करना शुरू किया जिसके बाद उनकी मुलाकात हुई। दोनों की शादी 1994 में हवाई में हुई थी। सिएटल स्थित बिल एंड

मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन दुनिया का सबसे प्रभावशाली निजी संगठन है। दोनों ने कहा है कि वे अपने फाउंडेशन के सह-अध्यक्ष के रूप में साथ काम करना जारी रखेंगे।

पूर्व सीआईए स्टेशन प्रमुख के लिए पाक लॉबिंग कॉन्ट्रेक्ट : रिपोर्ट

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

रॉबर्ट लॉरेंट ग्रेनियर, जो इस्लामाबाद में सीआईए स्टेशन प्रमुख थे, उनको अपनी कंपनी की स्थापना के बाद पाकिस्तान की ओर से एक पैरवी अनुबंध (लॉबिंग कॉन्ट्रेक्ट) दिया गया था।

रॉबर्ट लॉरेंट ग्रेनियर एक पूर्व सीआईए अधिकारी हैं, जो इस्लामाबाद, पाकिस्तान (2001-02) में सीआईए स्टेशन प्रमुख थे। 2002 में उन्हें इराक मुद्दे समूह के प्रमुख के रूप में पदोन्नत किया गया था, जहां उन्होंने इराक पर 2003 के आक्रमण के समर्थन में गुप्त अभियानों के समन्वय में मदद की थी। ग्रेनियर ने लगभग एक वर्ष तक सीआईए के काउंटर-टेररिस्ट सेंटर के निदेशक के रूप में कार्य किया, लेकिन 6 फरवरी, 2006 को सीआईए लीक मामले और लिब्बी मुकदमे को लेकर राष्ट्रीय गुप्त सेवा के निदेशक जोस ए. रोड्रिग्ज, जूनियर द्वारा उन्हें पद से हटा दिया गया था। ग्रेनियर की पहचान सीआईए लीक ग्रैंड जूरी जांच और आई. लुईस स्कूटर लिब्बी के खिलाफ आरोपों के संबंध में अदालती दस्तावेजों में की गई है। 2009 में ग्रेनियर को ईआरजी पार्टनर्स का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, जो एक स्वतंत्र वित्तीय और रणनीतिक सलाहकार फर्म है, जो पूरी तरह से सुरक्षा और खुफिया क्षेत्रों पर केंद्रित है। वह विदेश संबंध परिषद के आजीवन सदस्य हैं। डिसइन्फो लैब की एक जांच के अनुसार, इसके बाद, ग्रेनियर ने 1 अप्रैल, 2020 को एक लॉबी फर्म ग्रेनियर कंसल्टिंग एलएलसी खोली और एक साल के भीतर, जुलाई 2021 में उन्हें पाकिस्तान की ओर से एक लॉबिंग अनुबंध से सम्मानित किया गया, जिस पर पाक पीएम इमरान खान के तत्कालीन विशेष सलाहकार इफ्तिखार उर रहमान दुरानी द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। डिसइन्फो लैब की जांच के मुताबिक, पाकिस्तान की ओर से छह महीने के शोध के लिए 25,000 डॉलर और अन्य 5,000 डॉलर की अग्रिम राशि छह महीने में अनुबंध के नवीनीकरण के रूप में दी गई थी।

अफगान मंत्री ने जयशंकर को फोन किया, विशेष संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा सत्र की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद हनीफ अतमार ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान अफगानिस्तान में हिंसा में वृद्धि, तालिबान द्वारा व्यापक मानवाधिकार उल्लंघन और वहां सक्रिय विदेशी आतंकवादी समूहों के बारे में बात की।

अतमार ने अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का एक विशेष सत्र आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। अफगान विदेश कार्यालय के एक बयान में कहा गया है कि भारत वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता कर रहा है। अतमार ने अफगान लोगों पर तालिबान के क्रूर हमलों में अभूतपूर्व वृद्धि पर चर्चा की, जिसके परिणामस्वरूप कई नागरिक मारे गए और कई हजारों लोग विस्थापित हुए। अतमार ने तालिबान द्वारा अफगानिस्तान में विदेशी लड़ाकों और आतंकवादी समूहों की मिलीभगत से किए गए अपने हालिया हमलों में किए गए युद्ध अपराधों पर प्रकाश डाला। उन्हें अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून का प्रमुख उल्लंघन बताया और विनाशकारी परिणामों की चेतावनी दी।

क्षेत्र में स्थिरता, सुरक्षा और समृद्धि पर अफगान युद्ध के विनाशकारी परिणामों को देखते हुए, विदेश मंत्री ने अपने भारतीय समकक्ष के साथ अफगानिस्तान से संबंधित मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक आपात बैठक बुलाने के संबंध में काबुल के प्रस्ताव को उठाया। भारतीय विदेश मंत्री ने अफगानिस्तान में तालिबान और आतंकवादियों द्वारा हिंसा, असुरक्षा और मानवाधिकारों के स्पष्ट उल्लंघन के बढ़ने पर गहरी चिंता व्यक्त की। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक के आयोजन को मानवाधिकारों के हनन की तत्काल समाप्ति और अफगानिस्तान और क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता की स्थापना के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने अफगानिस्तान के प्रस्ताव की समीक्षा करने और आवश्यक परामर्श करने के लिए अपने देश की प्रतिबद्धता के लिए मंत्री अतमार को आश्वस्त किया। दोनों पक्षों ने दोहा में अफगान शांति प्रक्रिया पर आगामी बैठकों में एजेंडे और भागीदारी के स्तर पर भी चर्चा की।

अमेरिका रक्षा मुख्यालय पेंटागन के बाहर हमले में अधिकारी की मौत, लॉकडाउन लगाया

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के रक्षा मुख्यालय पेंटागन की इमारत के बाहर एक पुलिस अधिकारी की चाकू घोंपकर हत्या किए जाने के बाद गोलीबारी हुई और इसके बाद लॉकडाउन लगा दिया गया। संदिग्ध हमलावर को घटनास्थल पर ही मार गिराया गया। 'पेंटागन फोर्स प्रोटेक्शन एजेंसी' के प्रमुख वुडरॉ कुसे ने बताया कि पेंटागन की समीप स्थित एक बस प्लेटफार्म में मंगलवार को सुबह साढ़े दस बजे के आसपास किसी ने अधिकारी पर हमला कर दिया। इसके बाद हुई गोलीबारी में ''कई लोग हताहत'' हुए। यह एजेंसी पेंटागन में सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है।

अधिकारियों ने बताया कि उनका मानना है कि घटना में वहां से गुजर रहे दो लोग भी घायल हो गए। कई कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने संदिग्ध की पहचान जॉर्जिया के ऑस्टिन विलियम लान्ज (27) के रूप में की है। लान्ज ने अधिकारी पर घात लगाकर हमला किया और गर्दन में चाकू घोंपा। इसके बाद अधिकारियों ने लान्ज को गोली मार दी। जांचकर्ता हमले के पीछे के मकसद का पता लगा रहे हैं। साथ ही यह भी पता लगा रहे हैं कि क्या लान्ज मानसिक रूप से बीमार था। लान्ज को अक्टूबर 2012 में अमेरिकी मरीन कोर में शामिल किया गया लेकिन एक महीने से कम समय बाद ही ''प्रशासनिक रूप से अलग'' कर दिया और उसे कभी मरीन का शीर्षक नहीं मिला। कुसे और अन्य अधिकारियों ने आतंकवाद की संभावना को खारिज नहीं किया।

लेकिन कुसे ने कहा कि पेंटागन परिसर सुरक्षित है और ''अभी हम किसी अन्य संदिग्ध की तलाश नहीं कर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि एफबीआई जांच की अगुवाई कर रही है। यह घटना मंगलवार को एक मेट्रो बस प्लेटफार्म पर हुई जो पेंटागन के ट्रांजिट सेंटर का हिस्सा है। यह स्टेशन पेंटागन से कुछ ही दूरी पर है। एसोसिएटेड प्रेस के एक पत्रकार ने इमारत के आसपास गोली चलने की कई आवाज सुनी। पेंटागन ने एलान किया कि इमारत में लॉकडाउन लगा दिया गया है। गोलीबारी के वक्त अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और जनरल मार्क मिले राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात करने के लिए व्हाइट हाउस में थे। पेंटागन के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि ऑस्टिन इमारत में लौटे और अधिकारियों से बात करने के लिए पेंटागन पुलिस अभियान केंद्र गए।

जापान में आया 6 की तीव्रता से भूकंप, तोक्यो ओलंपिक में आये लोगों ने महसूस किए झटके

तोयों (एजेंसी)।

बुधवार की सुबह जापान के कई इलाकों में 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। जापान में आये इस जोरदार भूकंप के झटके ओलंपिक के मेजबान शहर तोक्यो में भी महसूस किए गये। तोक्यो ओलंपिक जिसमें से अधिकतर लोग दूसरे देश से हैं उनके लिए ये अनुभव काफी डरावना था। इतनी तेज भूकंप से लोग काफी डर गये थे। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप हसाकी के तट से लगभग 75 मील दूर लगभग 5:30 बजे आया, जो तोक्यो के पूर्व में लगभग 80 मील की दूरी पर है।

एजेंसी के अनुसार, शुरुआती भूकंप के बाद कई छोटे झटके भी महसूस किए गये। ओलंपिक को कवर करने वाले कई पत्रकारों ने तोक्यो में भूकंप महसूस करने की सूचना दी। सीएनएन के योगदानकर्ता विल रिप्ले ने ट्वीट किया- टोक्यो में अभी भूकंप आया। इस तेज झटके को मैंने महसूस किया। मैंने लगभग 30 सेकंड के लिए झटकों को महसूस किया है। जेएमए ने सुझाव दिया कि भूकंप का केंद्र जापान के तट से 40 किमी - या लगभग 25 मील - गहरा था। एजेंसी ने कहा कि सुनामी का कोई खतरा नहीं है। जापान में पत्रकारों ने कहा कि

भूकंप 20 सेकंड से 3 मिनट के बीच चला। प्रत्येक ने हल्के गड़गड़ाहट की सूचना दी।

जापान भूकंप के लिए कोई अजनबी नहीं है, क्योंकि देश तीन अभिसरण टेक्टोनिक प्लेटों पर टिकी हुई है। जब इनमें से केवल एक टेक्टोनिक प्लेट हिलती है, तो भूकंप आ सकता है। जापानी अधिकारियों ने भूकंप और प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने के लिए विशेष रूप से टोक्यो के ओलंपिक स्थल बनाए। फ़र्स्टपोस्ट के अनुसार, एरिएक वॉलीबॉल क्षेत्र में झटकों को कम करने के लिए ÷शॉक-एब्जॉर्बिंग विशाल रबर कुशन÷ शामिल हैं, जबकि ओलंपिक विलेज समुद्र की दीवारों से सुरक्षित है जो 6.5 फीट तक पहुंचने वाली सुनामी से बचा सकता है।

अफगानिस्तान में कार्यवाहक रक्षा मंत्री को निशाना बनाकर किए गए विस्फोट में आठ लोगों की मौत

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान के कार्यवाहक रक्षा मंत्री को निशाना बनाकर किए गए बम हमले में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई तथा 20 लोग घायल हो गए। मंत्री सुरक्षित हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। हमले की जिम्मेदारी तालिबान ने ली है। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट मंगलवार को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के नजदीक स्थित उच्च सुरक्षा वाले एक इलाके में हुआ। विस्फोट के बाद हुई मुठभेड़ में चार आतंकवादी मारे गए। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता मीरवाइज स्टानेकजई ने बुधवार को कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने एक वक्तव्य जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली है। यह हमला ऐसे समय हुआ जब आतंकवादी समूह तालिबान ने आक्रमण तेज कर दिया है और देश के दक्षिण एवं पश्चिम हिस्सों में प्रांतीय राजधानियों पर दबाव बना रखा है। मुजाहिद ने बयान में कहा कि हमला अफगान राष्ट्रीय बलों द्वारा विभिन्न प्रांतों में हाल में किए गए हमलों का बदला लेने के लिए किया गया। स्टानेकजई ने कहा कि ऐसा लगता है कि हमला कार्यवाहक रक्षा मंत्री बिस्मिल्ला खान मोहम्मदी के अतिथि-गृह को निशाना बनाकर किया गया, मंत्री सुरक्षित हैं। उनकी पार्टी जमीयत ए इस्लामी के एक नेता ने सूचित किया कि घटना के वक्त मंत्री घर पर नहीं थे और उनके परिजनों को वहां से सुरक्षित निकाल लिया गया।

स्टानेकजई ने कहा कि पांच घंटे तक चली मुठभेड़ में चार हमलावरों को मार गिराया गया। उन्होंने कहा कि विस्फोट शेरपुर इलाके में हुआ जो राजधानी के बेहद सुरक्षित इलाकों में से एक है। यहां सरकार के अनेक वरिष्ठ अधिकारी रहते हैं। घटना के कई घंटों बाद रक्षा मंत्रालय की ओर से एक वीडियो जारी किया गया जिसमें मोहम्मदी ने कहा कि आत्मघाती हमले में उनके सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। काबुल पुलिस प्रमुख के प्रवक्ता ने बताया कि इलाके से सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सुरक्षाकर्मियों ने घटना के बाद घर-घर जाकर तलाशी ली।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अफगानिस्तान में नागरिकों पर किये जा रहे हमलों और आतंकवाद की घटनाओं की मंगलवार को कड़े शब्दों में निंदा की, वहीं तालिबान द्वारा सत्ता पाने की कोशिशों पर विरोध जताया। सुरक्षा परिषद ने एक प्रेस वक्तव्य में कहा कि अफगान सरकार और तालिबान को राजनीतिक समाधान और संघर्ष विराम की दिशा में प्रगति के लिए एक समावेशी और अफगान नीत शांति प्रक्रिया में मिलकर सार्थक तरीके से काम करना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोविड नियमों को ऐसी तैसी कर गजेरा स्कूल ने कक्षा ६ से ८ की कक्षा शुरू की

अधिसूचना का उल्लंघन किया गया है तो गजेरा स्कूल के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी : मुख्यमंत्री

क्रांति समय दैनिक

सूरत,गुजरात में कोरोना संक्रमण काफी हद तक काबू में आने के बाद राज्य सरकार ने कक्षा 9 से 12 और कॉलेज में शिक्षा कार्य शुरूकरने की मंजूरी प्रदान की है। लेकिन कक्षा 1 से 8 की स्कूलों में शिक्षा कार्य को लेकर फिलहाल सरकार ने कोई फैसला नहीं किया है। इसके बावजूद सूरत की गजेरा स्कूल ने कोविड नियमों की ऐसी तैसी करते हुए कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों को स्कूल बुलाया। सूरत के कतारगाम स्थित गजेरा स्कूल में न सिर्फ विद्यार्थियों को बुलाया गया, बल्कि सोशल डिस्टेंस का उल्लंघन करते हुए उन्हें साथ में बैठाया गया। 1 अगस्त से कक्षा 6 से 8 विद्यार्थियों को स्कूल बुलाए जाने और एक ही बैंच पर तीन-तीन विद्यार्थियों को बिठाकर पढ़ाई कराने के चित्र सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्कूल में आज हंगामा मच गया। ज्यादार अभिभावक अपने बच्चों को लेने के स्कूल पहुंच गए। कोविड

नियमो का उल्लंघन करने के बावजूद स्कूल संचालक अपनी गलती मानने को तैयार नहीं है। स्कूल संचालक का कहना है कि विद्यार्थियों को केवल नोटबुक की जांच के लिए स्कूल बुलाया गया था। स्कूल में हंगामे के बाद कतारगाम पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई जांच शुरूकर दी। दूसरी ओर जिला शिक्षा अधिकारी ने जिम्मेदारों के खिलाफ कार्यवाही का आश्वासन देते हुए मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। राजनीतिक रसूख रखने वाले स्कूल संचालकों के खिलाफ क्या कार्यवाही की जाती है, यह तो आनेवाला वक्तही बताएगा। बता दें कि गजेरा स्कूल भाजपा नेता धीरू गजेरा की है, जो हाल ही में कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए हैं। दूसरी ओर मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा है कि यदि गजेरा स्कूल में किसी भी अधिसूचना का उल्लंघन करने का मामला सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी। यदि गजेरा स्कूल कोविड गाइडलाइन का उल्लंघन किया है तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। फिलहाल इस मामले की अधिकारी जांच कर रहे हैं।

गुजरात में बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं और सरकार महिला गौरव दिवस मना रही है : कांग्रेस

क्रांति समय दैनिक

राजकोट ,गुजरात कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा ने कहा है कि राज्य में बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं हैं और भाजपा सरकार महिला गौरव दिवस मना रही है। बता दें कि गुजरात में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी सरकार के पांच साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राज्यभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत बुधवार को भाजपा की ओर से महिला गौरव दिवस मनाया गया। भाजपा के महिला गौरव दिवस के खिलाफ कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस अमित चावड़ा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के गृह नगर राजकोट में

महिला सुरक्षा अभियान का आयोजन किया गया। जिसमें महिला सुरक्षा के नाम पर सरकार पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए महिला गौरव दिवस के खिलाफ नारेबाजी और प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में गुजरात प्रदेश महिला कांग्रेस प्रमुख गायत्रीबा वाघेला, शहर महिला प्रमुख मनीषाबा वाला, विपक्ष की नेता भानुबेन सोरानी, कांग्रेस के नगर पार्षद, पूर्व विपक्षी नेता वशराम सागठिया, अर्जुन खाटरिया समेत अन्य नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस मौके पर अमित चावड़ा ने आरोप लगाया कि राज्य में आज बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं हैं और रूपाणी सरकार महिला गौरव दिवस मना रही है। राज्य में आए दिन 2 हत्या और 4 दुष्कर्म के केस दर्ज होते हैं। महिलाओं की सुरक्षा में निष्फल होने का भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए चावड़ा ने कहा कि गुजरात में महिलाओं को समान अधिकार नहीं मिला।

तौकते चक्रवात प्रभावित महिला से सहायता के नाम पर दुष्कर्म

क्रांति समय दैनिक

अमरेली,मई महीने में आए तौकते चक्रवात ने राज्य में खासकर दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में व्यापक तबाही मचाई थी। चक्रवात प्रभावित कई लोगों को आज तक सहायता नहीं मिली। ऐसे में सहायता के नाम पर एक महिला के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है। घटना है अमरेली जिले की सावरकुंडला तहसील के थोरडी गांव की। पीड़ित महिला ने गांव के पूर्व सरपंच प्रफुल वेकरिया के खिलाफ सावरकुंडला ग्रामीण पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। दो महीने से भी अधिक समय बीत जाने के बावजूद सहायता नहीं मिलने पर प्रफुल वेकरिया ने महिला ने सरकारी अनुदान से सहायता दिलाने की लालच देकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। प्रफुल वेकरिया तहसील पंचायत का पूर्व सदस्य और स्थानीय नेता है। पीड़ित महिला तीन संतानों की माता है, जिसके पति की पांच साल पहले मौत हो गई थी। महिला के तीन पुत्र अलग अलग जगहों पर नौकरी कर रहे हैं। जबकि विधवा महिला मजदूरी कर गुजर बसर कर रही है। तौकते चक्रवात के बाद महिला की मुश्किलें और बढ़ गईं। ऐसे में प्रफुल वेकरिया ने मौके का फायदा उठाते हुए महिला के साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद महिला को जांच के लिए अस्पताल भेजा गया है।

सार-समाचार

ट्रेलर की चपेट में आई महिला टीआरबी, घटनास्थल पर मौत

सूरत,शहर की वरियाव पुलिस चौकी के निकट ट्रेलर की चपेट में आई महिला टीआरबी कर्मी की घटनास्थल पर मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब महिला कर्मचारी ड्यूटी से अपने घर की ओर एक्टिवा पर जा रही थी। जानकारी के मुताबिक सूरत के वरियाव पुलिस चौकी के निकट से प्रीति चौधरी नामक टीआरबी महिलाकर्मी एक्टिवा पर पर गुजर रही थी। उस वक्तएक ट्रेलर ने एक्टिवा सवार महिलाकर्मी को अपनी चपेट में ले लिया। ट्रेलर की टक्कर से प्रीति चौधरी सड़क पर जा गिरी और ट्रेलर ने उसे रौंद दिया। दो साल पहले टीआरबी जॉइन करने वाली प्रीति चौधरी के पिता की भी सात पहले दुर्घटना में मौत हो गई थी। पिता की मौत के बाद परिवार की पूरी जिम्मेदारी उठा रही प्रीति चौधरी भी दुर्घटना का शिकार हो गई। प्रीति की मौत से उसकी छोटी बहन और मानसिक रूप से बीमार माता अनाथ हो गए हैं। पुलिस ने ट्रेलर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरूकी है।

पीएम मोदी द्वारा शुरूकी गई मेहसाणा-गांधीनगर ट्रेन को नहीं मिल रहे यात्री

गुजरात की राजधानी गांधीनगर से वरेठा के बीच मेमू ट्रेन शुरू की गई है। पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली से इस ट्रेन का प्रारंभ कराया था। जबकि रेल मंत्री अश्विन वैष्ण इसकी अगवानी कर रहे थे। ट्रेन की शुरुआत में भाजपा नेता और विधायकों की ट्रेन सेवा की काफी तारीफ की थी। हांलाकि बड़े पैमाने पर आयोजन कर शुरूकी मेहसाणा-वरेठा ट्रेन को यात्री नहीं मिल रहे। पिछले 12 दिनों में इस ट्रेन की केवल 112 टिकट बिके हैं। पिछले एक सप्ताह की बात करें तो मेहसाणा-वरेठा के बीच केवल 22 टिकट बिके हैं। जबकि मेहसाणा-गांधीनगर के 26 टिकट बिके हैं। मेहसाणा-वरेठा ट्रेन को यात्री नहीं मिलने के दो कारण हैं। पहला ट्रेन का किराया अधिक है। रोडवेज की बस में मेहसाणा-विसनगर का किराया रु 18 है, जबकि ट्रेन का किराया रु 30 वसूला जा रहा है। दूसरा कारण ट्रेन का समय यात्रियों के अनुकूल नहीं है। नियमित आवागमन करने वाले यात्रियों के लिए यह ट्रेन उपयोगी नहीं है। इस संदर्भ में मेहसाणा की सांसद शारदाबेन ने रेल मंत्री अश्विन वैष्णव को पत्र लिखकर ट्रेन का समय बदलने की मांग की है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

कर्नाटक : पूर्व विधायक के बेटे के मेंगलुरु स्थित आवास पर एनआईए ने छापा मारा

मेंगलुरु। राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) के अधिकारियों ने उल्लाल से पूर्व विधायक बी एम इदिनब्बा के बेटे के आवास पर बुधवार सुबह छापा मारा। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बेंगलुरु से सुबह आए अधिकारियों ने तुरंत जांच शुरू कर दी। इदिनाब्बा का बेटा बी एम बाशा इस घर में अपने परिवार के साथ रहता है। सूत्रों ने बताया कि छापेमारी की कार्रवाई इस संदेह के आधार पर की गई कि परिवार के सीरिया स्थित आतंकवादी संगठन आईएसआईएस के साथ कथित संबंध हैं। 25 अधिकारियों का दल चार कारों में सवार होकर आज सुबह उल्लाल के मस्तिकत्ते पहुंचा। दल को शहर की पुलिस सुरक्षा दे रही है। उनके मुताबिक ऐसा संदेह है कि बाशा की बेटी, जो कई वर्ष पहले केरल से लापता हो गई थी, आईएसआईएस में शामिल हो चुकी है। बाशा रियल एस्टेट कारोबारी हैं। उनके दो बेटे विदेश में रहते हैं। सूत्रों ने बताया कि उनके परिजनों ने कथित तौर आईएसआईएस से जुड़े यूट्यूब चैनलों को सब्सक्राइब किया हुआ था और बताया जाता है कि उक्त संगठन के प्रति उनकी सहानुभूति है।

राजस्थान में भारी बारिश से घर की दीवार ढहने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

कोटा। राजस्थान के बूंदी जिले में मूसलाधार बारिश की वजह से एक घर की दीवार ढहने से एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मलबे में घर के दो और लोगों के फंसे होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि घटना नवघाट क्षेत्र में मंगलवार व बुधवार की दरम्यानी रात को हुई है। पुलिस अधीक्षक शिवराज मीणा ने कहा कि घर की एक पुरानी दीवार गिर गई। इस घर में दो भाई महेंद्र केवट और महावीर केवट अपने परिवार के साथ रहते थे। उनके मुताबिक, दीवार गिरने से घर की छत ढह गई, जिससे परिवार के सभी सात सदस्य मलबे में दब गए। उन्होंने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दो लोगों को मलबे से निकालने में कामयाब रही। उन्होंने कहा कि बुधवार सुबह तीन अन्य को निकाला लिया गया। मीणा ने बताया कि मलबे में फंसे परिवार के बाकी दो सदस्यों को निकालने के लिए अभियान जारी है। केशवरायपाटन के थानेदार लोकेंद्र पालीवाल ने कहा किमलबे से निकाले गए सभी पांच सदस्यों – दो महिलाओं और तीन नाबालिग लड़कियों ने दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि घर का निर्माण दशकों पहले अनियोजित तरीके से किया गया था।

शिवपुरी में बाढ़ से मची तबाही में धसा हाईवे रोड, हाईवे में समा गया ट्रक

भोपाल। मध्य प्रदेश में लगातार बारिश होने के कारण कई जिलों में बाढ़ आ चुकी है। वहीं शिवपुरी में भी इसी तरह के हालात हैं। शिवपुरी जिले में लगातार हुई बारिश के चलते जिले में डूबे क्षेत्र के कई गांव में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। आपको बता दें कि शिवपुरी में बाढ़ के बीच फोरलेन हाइवे टूटने की खबर सामने आई है। एबी रोड हाईवे में ट्रक समा गया। जानकारी मिली है कि शिवपुरी–आगरा मुंबई नेशनल हाईवे की शिवपुरी फोरलेन हाइवे पर सड़क धसकने के चलते ट्रक हाइवे सड़क में समा गया और ट्रक पलट गया। वहीं शिवपुरी के कई गांव बाढ़ के कारण टापू बने हुए हैं। पोहरी गांव के अलावा कई सारे गांवों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है और कई लोग जलभराव में फंसे हुए हैं। बताया जा रहा है कि जिला प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम ने सक्रिय होकर लगातार रेस्क्यू अभियान चलाया और लोगों को बाढ़ से निकाल कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा रहा है।

केन्द्र ने स्मार्ट सिटी योजना के तहत शिमला, धर्मशाला को 181 करोड़ रुपये दिए- मंत्री

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शहरी विकास मंत्री सुरेश भारद्वाज ने बुधवार को बताया कि केन्द्र सरकार ने स्मार्ट सिटी योजना के तहत राज्य के शिमला और धर्मशाला के लिए 181 करोड़ रुपये दिए हैं। किन्नौर से कांग्रेस विधायक जगत सिंह नेगी ने मानसून सत्र के तीसरे दिन एक लिखित जवाब में विधायकों को यह जानकारी दी कि योजना के तहत केन्द्र ने पिछले तीन साल में 30 जून 2021 तक शिमला के लिए 126 करोड़ रुपये और धर्मशाला के लिए 55 करोड़ रुपये दिए। भारद्वाज ने बताया कि 451.17 करोड़ रुपये की लागत वाली 117 परियोजनाएं या तो पूरी हो चुकी हैं, चल रही हैं या उनके लिए निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। परियोजनाओं का ब्यौरा देते हुए उन्होंने बताया कि शिमला में महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थानों पर 24.39 करोड़ रुपये की लागत से ई–शौचालय लगाने सहित 14 परियोजनाओं को पूरा कर लिया गया है। उन्होंने सदन को बताया कि रिट्ज के निकट पुराने बस स्टैंड, तालैंड बस स्टॉप, विकास नगर बस स्टॉप, जाखू में पांच बेंच और टोटू में न्यू पावर हाउस में 11 लाख रुपये की लागत के छह ई–शौचालय स्थापित किए गए हैं।

किसान आंदोलन : पुलिस ने अब तक 183 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, सभी जमानत पर रिहा

नयी दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन के संबंध में पुलिस ने 183 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है और वे सभी अभी जमानत पर हैं। इसके साथ ही सरकार ने कहा कि आंदोलनरत किसानों के विरूद्ध दर्ज किसी भी मामले में राजद्रोह या आतंक–रोधी कानून के प्रावधानों को लागू नहीं किया गया है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि साल 2020 से 20 जुलाई 2021 तक दिल्ली पुलिस ने किसान आंदोलन के संबंध में 183 लोगों को गिरफ्तार किया है और वे सभी जमानत पर हैं। राय ने कहा कि दिल?ली पुलिस के अनुसार आंदोलन कर रहे किसानों के विरूद्ध दर्ज किसी भी मामले में राजद्रोह या किसी अन?य आतंक–रोधी कानून जैसे गैरकानूनी गतिविधियां निवारण कानून (यूएपीए) के उपबंधों को लागू नहीं किया गया है।

साइबर, अंतरिक्ष खतरों के लिए उन्नत तकनीकी प्रतिक्रियाओं की आवश्यकता है : राष्ट्रपति कोविंद

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

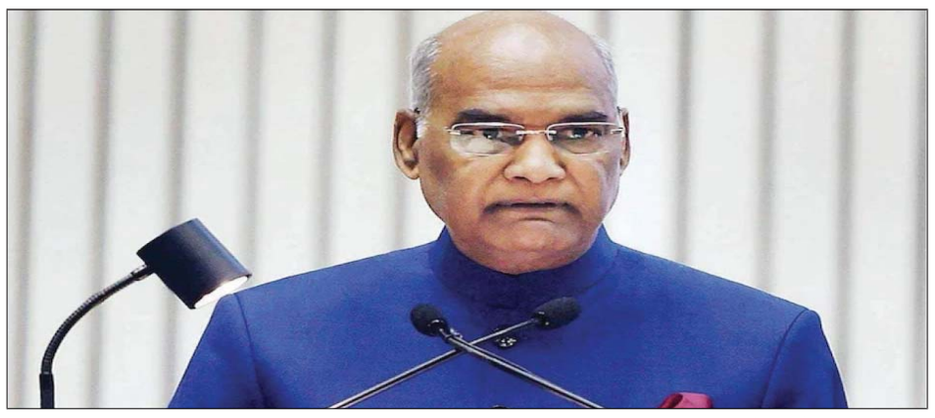

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बुधवार को कहा कि साइबर जगत और अंतरिक्ष में उभरते खतरों के लिए अत्याधुनिक तकनीकी प्रतिक्रिया की जरूरत है। रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन(तमिलनाडु) में अपने संबोधन के दौरान, राष्ट्रपति ने कहा, नॉन-स्टेट एक्टर्स द्वारा उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग भी उन्नत प्रतिक्रिया की मांग करता है। उन्होंने आगे कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों का सुरक्षा तैयारियों पर असर पड़ सकता है। उन्होंने इस पाठ्यक्रम में भाग ले रहे अन्य देशों के 30 सहित युवा छात्र अधिकारियों से कहा, ऐसे सभी मुद्दे राष्ट्र की सुरक्षा गणना को प्रभावित करते हैं। आपको उनके निहितार्थों को समझना होगा ताकि आप उनसे निपटने के लिए बेहतर तरीके से तैयार हों। उन्होंने कहा कि देश के उच्च रक्षा संगठन में महत्वपूर्ण बदलाव किए जा रहे हैं और रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा, ये पहल सशस्त्र बलों के भविष्य को तैयार करने की दृष्टि से की गई है। उन्होंने युवा छात्र अधिकारियों से कहा कि जैसे-जैसे वे विकास की सीढ़ी पर चढ़ेंगे, उन्हें एकल सेवा दक्षताओं के स्तर से बहु-क्षेत्रीय चुनौतियों तक स्नातक करना होगा। उन्होंने कहा, इसके लिए संयुक्त और बहु-डोमेन संचालन की अधिक समझ की आवश्यकता है। उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने अथक प्रयासों और महान बलिदानों से नागरिकों का सम्मान अर्जित किया है। राष्ट्रपति ने कहा, उन्होंने युद्ध और शांति के समय में राष्ट्र के लिए अमूल्य सेवाएं प्रदान की हैं। उन्होंने आंतरिक और बाहरी सुरक्षा चुनौतियों का सामना करते हुए और प्राकृतिक आपदाओं के समय में समर्पण और साहस के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है। राष्ट्रपति ने सीमाओं पर स्थिति के साथ-साथ कोविड-19 महामारी से निपटने में सशस्त्र बलों के पुरुषों और महिलाओं द्वारा प्रदर्शित उत्कृष्ट धैर्य और दृढ़ संकल्प की सराहना की। उन्होंने कारगिल विजय दिवस पर कश्मीर घाटी की अपनी हालिया यात्रा के बारे में भी बात की जहां उन्होंने अधिकारियों और सैनिकों के साथ बातचीत की थी। उन्होंने कहा, उनके उच्च मनोबल और कर्तव्य के प्रति समर्पण को देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। आप में से अधिकांश इन चुनौतियों से निपटने के लिए अग्रिम पंक्ति के योद्धाओं में से हैं। कोविंद ने कहा कि भारत चुनौतीपूर्ण समय से गुजर रहा है, जो बदलावों से भरा है और राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा की अवधारणाएं भी बदल रही हैं।

बलात्कार मामले को लेकर राहुल पर बरसे अनुराग ठाकुर, बोले- कुछ दल अपने राज्य में न्याय दिलाने का नहीं कर पाते काम

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात की। जिसके बाद राजनीति गर्मा गई है। इस मामले को लेकर केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता अनुराग ठाकुर का बयान सामने आया है। उन्होंने सीधे कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ राजनीतिक दल महज राजनीति करने का काम करते हैं हालांकि अपने राज्य में न्याय दिलाने का काम नहीं कर पाते हैं। समाचार एजेंसी के मुताबिक केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने उचित कार्रवाई करते हुए 4 लोगों को गिरफ्तार किया है और क़ानून व्यवस्था के लिए जो कदम उठाए जाने चाहिए थे वे उठाए गए हैं। परन्तु कुछ लोगों की महज राजनीति करने की आदत बन गई है।

इससे पहले भाजपा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए राहुल गांधी को घेरा था। संबित पात्रा ने कहा था कि एनसीआरबी के अनुसार राजस्थान बलात्कार के मामलों में शीर्ष पर है। पिछले 6 महीनों में राजस्थान में बलात्कार के मामलों में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2020 में राजस्थान में 13,750 केस बलात्कार के हुए। ऐसे में राजस्थान के रेप के मामलों में चुप्पी क्यों साधी है।

गौरतलब है कि दिल्ली में नौ वर्षीय बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसके माता पिता ने आरोप लगाया है कि दक्षिण पश्चिम दिल्ली के पुराने नांगल गांव में श्मशान घाट के पुजारी ने उनकी सहमति के बिना बच्ची का अंतिम संस्कार करा दिया। इस मामले में पुलिस ने एक पुजारी समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार का कर्त्तव्य : मुख्यमंत्री विजयन

तिरूवनंतपुरम। (एजेंसी)।

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा है कि प्रदेश में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी सरकार का कर्त्तव्य है और उनके खिलाफ अपराधों की शिकायतें प्राप्त करने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल स्थापित करने, एक हेल्पलाइन स्थापित करने और एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने के लिए कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'अपराजिता' परियोजना के तहत इससे संबंधित शिकायत ऑनलाइन अथवा मेल आईडी पर की जा सकती है। विधानसभा में प्रश्न काल के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह शिकायत हेल्पलाइन पर भी की जा सकती है अथवा नोडल अधिकारी के मोबाइल फोन पर भी की जा सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की ओर से जो अन्य पहल की गईहैं उनमें पिंक प्रोटेक्शन परियोजना, परामर्श कार्यक्रम, उचित जांच नहीं करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई एवं जागरुकता अभियान चलाना शामिल है। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक, निजी और साइबर स्पेस में महिलाओं को उनके खिलाफ होने वाले अपराधों से बचाने के लिए पिंक प्रोटेक्शन परियोजना शुरू की गई है।

संसद में सरकार चर्चा के लिए तैयार, विपक्ष के हर सवाल का देंगे जवाबः नरेंद्र सिंह तोमर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संसद में जारी गतिरोध के बीच नरेंद्र सिंह तोमर ने बड़ा बयान दिया है। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने एक बार फिर से कहा कि केंद्र सरकार हर विषय पर चर्चा करने के लिए तैयार है। विपक्ष अपनी बात रखें। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि चाहे कृषि का विषय हो या कोविड का सभी पर सरकार चर्चा के लिए तैयार है। जो विषय उन्हें(विपक्ष) रखना है रखें। सरकार जवाब देगी। कृषि के मामले में सरकार पूरी तरह पारदर्शी है। हमने कृषि कानून बनाते समय भी लोकसभा और राज्यसभा में 4 घंटे चर्चा की।

तोमर ने आगे कहा कि उनका दृष्टिकोण क्या है और वे किस दृष्टिकोण के आधार पर आगे बढ़ना चाहते हैं इस मामले में उनके अपने मन में स्पष्टता नहीं है। हम सदन में चर्चा के लिए तैयार हैं। आपको बता दें कि संसद में पेगासस जासूसी मामले कृषि कानून और कोरोना वायरस के मामले को लेकर विपक्ष हंगामा कर रहा है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार किसी मुद्दे पर चर्चा नहीं कर रही है। विपक्ष की मांग है कि सरकार पेगासस मुद्दे पर चर्चा करें और आरोपों का जवाब दें। आपको बता दें कि राहुल गांधी लगातार विपक्षी एकजुटता को मजबूत कर रहे हैं और सरकार पर दबाव बना रहे हैं।

भाजपा का नया कश्मीर का झांसा अब मजाक बन गया है : गुपकर घोषणापत्र गठबंधन

श्रीनगर। (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर उसे दो केन्द्र शासित प्रदेशों में बांटे जाने की दूसरी वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर गुपकर घोषणापत्र गठबंधन (पीएजीडी) ने बुधवार को कहा कि भाजपा का नया कश्मीर का झांसा एक मजाक बन गया है और लोगों ने अगस्त 2019 के कदम की निरर्थकता पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है। गठबंधन ने जम्मू-कश्मीर के लोगों से एकजुट होने की अपील की और कहा, हम हार नहीं मानेंगे बल्कि हर अवसर का उपयोग करके शांतिपूर्ण व कानूनी तरीकों से अपने अधिकारों की रक्षा के लिये संघर्ष जारी रखेंगे।

पीएजीडी के प्रवक्ता व माकपा के वरिष्ठ नेता एम वाई तारिगामी ने यहां एक बयान में कहा, पांच अगस्त को संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर भारत के संविधान पर हुए अभूतपूर्व हमले के दो साल पूरे होने वाले हैं, जिससे भारत संघ के साथ हमारे संबंधों को बहुत नुकसान पहुंचा। जम्मू-कश्मीर के संविधान को ध्वस्त करके सरकार ने संवैधानिकता की सभी सीमाएं पार कर दीं।

नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) समेत जम्मू-कश्मीर के मुख्यधारा के विभिन्न दलों के गठबंधन पीएजीडी (गुपकर) ने कहा कि वह आशा करता है कि केन्द्र सरकार को पांच अगस्त 2019 के अपने निर्णय की निरर्थकता का अहसास होगा। पीएजीडी नेता ने कहा, भाजपा के नया कश्मीर का झांसा अब एक मजाक बन गया है। जनता ने सत्ता पर काबिज लोगों से सवाल करना शुरू कर दिया है कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर को तबाह करके क्या हासिल किया।

राज्यपाल और महाराष्ट्र सरकार में बढ़ा टकराव, मंत्री बोले- संवैधानिक पद पर ऋस्स के लिए कर रहे काम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

महाराष्ट्र सरकार और राज्यपाल के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। एक बार फिर से दोनों पक्षों के बीच विवाद की खबरें हैं। इन सबके बीच उद्धव सरकार में मंत्री और कांग्रेस नेता नितिन रावत ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी पर बड़ा आरोप लगाया है। नितिन राउत ने साफ तौर पर कहा कि राज्यपाल कोशियारी बीजेपी नेता के तौर पर राज्य में काम कर रहे हैं।

नितिन राउत ने कहा कि भगत सिंह कोश्यारी यहां ऐसे काम कर रहे हैं जैसे वह संवैधानिक पद पर रहते हुए आरएसएस के लिए बीजेपी के नेता के तौर पर करते रहे हैं। उनका व्यवहार दुर्भाग्यपूर्ण है और यह भारतीय लोकतंत्र के खिलाफ साजिश है। इतना ही नहीं, नितिन राउत ने आगे कहा कि जब भी राज्यपाल कोश्यारी से मिलने कोई जाता है तो वह सिवाय आरएसएस-बीजेपी की तारीफ करने के कुछ नहीं करते। कोई इसका समर्थन नहीं करेगा।

आपको बता दें कि महाराष्ट्र सरकार और राज्यपाल कोश्यारी के बीच लगातार विवाद की खबर आती रही हैं। यही बात उस समय भी बढ़ गया था जब मुख्यमंत्री की ओर से राज्यपाल को सरकारी विमान के इस्तेमाल को मंजूरी नहीं दी गई थी और राज्यपाल कोशियारी को विमान से उतरना पड़ा था। इससे पहले महाराष्ट्र के काबीना मंत्री नवाब मलिक ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की आलोचना करते हुए कहा कि वह राज्य में सत्ता के दो केंद्र बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

लालू के बिहार पहुंचते ही गिर जाएगी नीतीश सरकार ? एनडीए और महागठबंधन में बढ़ी तकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चारा घोटाला मामले में बेल मिलने के बाद जैसे-जैसे लालू यादव की राजनीतिक सक्रियता बढ़ रही है वैसे-वैसे ही बिहार में भी सियासी उबाल देखा जा रहा है। हाल में ही आरजेडी विधायक डॉ मुकेश रौशन ने यह दावा किया कि जिस दिन लालू प्रसाद यादव का कदम बिहार के धरती पर पड़ेगा उसी दिन नीतीश कुमार की सरकार गिर जाएगी। जाहिर सी बात है लालू यादव की सक्रियता यह आभास जरूर करा रही है। लालू यादव वर्तमान में दिल्ली में है और वह स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। लेकिन उन्होंने हाल में ही कार्यकर्ताओं को अपने संबोधन में कहा कि वह जल्द ही बिहार लौट आएंगे। कार्यकर्ताओं को जब से लालू यादव ने यह बात कही है उनमें गजब का उत्साह है। उन्हें इस बात की उम्मीद है कि लालू यादव के बिहार लौटते ही सरकार बनाने से पिछड़ी महागठबंधन कुछ नया और अलग कर सकती है। लालू यादव को बिहार की राजनीति का महारत माना जाता है। ऐसे में कार्यकर्ता और आरजेडी के लोग उनसे इसी बात की उम्मीद भी कर रहे हैं।

आरजेडी विधायक डॉ मुकेश रौशन के इस बयान के बाद जदयू की ओर से भी पलटवार किया गया है। जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि इन लोगों को बिहार के विकास कार्यों से कोई लेना देना नहीं है, सिर्फ तेजस्वी यादव की ताजपोशी को लेकर बेचैन रहते हैं जो संभव नहीं है। राज्य की जनता और तमाम विधायक नीतीश कुमार के साथ हैं और आगे भी रहेंगे। भाजपा की ओर से भी इसपर पलटवार किया गया। पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि यह लोग दिन में भी सपने देखते हैं। राज्य की जनता विकास के साथ है और हम लोगों की सरकार नीतीश कुमार के नेतृत्व में बेहतर काम कर रही है और आगे भी करते रहेंगे। जिनको सत्ता पाने का सपना खुली आंखों से देखना है वह देखते रहे।

लालू यादव ने कहीं ना कहीं इस बात के संकेत तो जरूर दिए हैं कि तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनते बनते रह गए। ऐसे में बिहार लौटने के साथ ही वह अपने बेटे की ताजपोशी के लिए कुछ ना कुछ करने की कवायद की शुरुआत जरूर करेंगे। माना जा रहा है कि लालू यादव ने एनडीए के दो सहयोगी जीतन राम मांझी और मुकेश सहनी से भी मुलाकात की है। हालांकि आरजेडी की ओर से इस बात का लगातार खंडन किया जा रहा है। आपको बता दें कि एनडीए में मुकेश सहनी की पार्टी के चार विधायक जबकि जीतन राम मांझी के पार्टी के भी चार विधायक शामिल है। इन 8 विधायकों के दम पर ही एनडीए बहुमत का आंकड़ा पार कर रहा है। महागठबंधन महज कुछ सीट से ही पीछे रह गया। आपको बता दें कि बिहार में सरकार बनाने के लिए 122 विधायक चाहिए। महागठबंधन 12 विधायक पीछे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौयो द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)